गैरसैंण, रविवार
12 अप्रैल 2026
वर्षः 16
अंकः 314 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

स्लीपर मॉड्यूल बनाने की तैयारी में थे आतंकी

● पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारों पर कर रहे थे युवाओं की भर्ती

बिजनौर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में आतंकी गतिविधियों में शामिल उबैद मलिक और जलाल हैदर उर्फ समीर को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। वहीं, विदेश में बैठे मेरठ निवासी आकिब समेत बिजनौर के मैजुल और आजाद के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश के अनुसार, पकड़े गए आरोपी सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भर्ती करने और संगठित नेटवर्क बनाने का काम कर रहे थे। मामले में गुजरात कनेक्शन सामने आया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, उबैद नेपाल भागकर वहां एक बड़ा आतंकी नेटवर्क खड़ा करने की फिराक था। उबैद

को सऊदी अरब में बैठे आजाद ने नेपाल भागने की सलाह दी थी, जिससे वह पुलिस से बच सके। नेपाल में बैठकर भारत में स्लीपर मॉड्यूल तैयार करने की योजना थी। अमिताभ यश ने बताया कि तीन साल पहले काम के सिलसिले में उबैद गुजरात गया था। गुजरात में ही उबैद का जलाल से संपर्क हुआ। जलाल हैदर ने ही दुबई में आकिब और मैजुल से उबैद की वीडियो कॉल पर बात कराई थी। कट्टपंथी और देश-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती की जा रही थी। साथ ही संगठित नेटवर्क बनाया जा रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि दुबई में बैठे यूपी पुलिस के वॉन्टेड आजाद ने उबैद को नेपाल बागने की सलाह दी थी।

वंदे भारत में पत्थरबाजी करने वालों की अब खैर नहीं!

● रेलवे स्टेशन पर लगेंगी फोटो, यूपी में सख्त ऐक्शन की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के में वंदे भारत ट्रेन पर अब पत्थरबाजी करने वालों की खैर नहीं होगी। उनकी फोटो रेलवे स्टेशनों पर चस्पा की जाएगी। यह कदम पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। उत्तर प्रदेश में वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी की 2023 से अब तक पांच घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पकड़े आरोपियों ने जो वजहें बताई हैं, वो बहुत ही चौंका देने वाली हैं। डोमिनगढ़ के पास पत्थर चलाने वाले आरोपी ने बताया कि वह देखना चाहता था कि पत्थर चलाने के बाद वंदे भारत का शीशा कैसा दिखेगा। तरंग क्रासिंग के पास पत्थरबाजी करने वाले ने कहा कि वह एक साइड से दूसरी साइड नहीं

जा पा रहा था, इसलिए पत्थर चलाया था। बता दें कि ट्रेन के इंजनों को कवच सिस्टम से लैस करने का काम शुरू हो गया है। गोरखपुर लोको शेड में दो इंजन कवच लगा दिए गए हैं। यह इंजन ट्रायल रन में पास हो गया है। पहले फेज में एनईआर ने 213 उपकरण आवंटित किए गए हैं। 213 कवच में से गोरखपुर लोको शेड को 60, गोंडा लोको शेड को 95 और सैदपुर लोको शेड को 58 उपकरण दिए गए हैं।

बाराबंकी से छपरा रेल रूट कवच से लैस होगा– वहीं, बाराबंकी से छपरा के बीच टावर लगाने का काम तेजी चल रहा है। जल्द ही बाराबंकी से गोरखपुर होकर छपरा रेल रूट कवच (स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली) से लैस होगा।

वाह! मिडिल ईस्ट संकट के बीच एक और खुशखबरी

312 और भारतीय ईरान से निकले सुरक्षित, जयशंकर ने बताया इस दोस्त ने की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच भले ही अभी दो हफ्ते का युद्धविराम है, बावजूद इसके मिडिल ईस्ट में संकट टला नहीं है। तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। ऐसे में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अहम अपडेट दिया है। उन्होंने शनिवार को बताया कि 312 और भारतीय मछुआरों को ईरान से सुरक्षित निकाला गया है। इन भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सकुशल भारत लाया गया। उन्होंने इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार को धन्यवाद भी दिया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 312 और भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते ईरान से सुरक्षित भारत लाया गया। इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार और मेरे दोस्त अरारत मिर्जोयान का शुक्रिया। इससे पहले 5 अप्रैल को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित चेन्नई लाया गया था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, संघर्ष वाले इलाके में अपने नागरिकों की सुरक्षा पक्का करने की भारत की लगातार कोशिशों के तहत मछुआरों को वापस लाया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने उस समय भी एक सोशल मीडिया पोस्ट में आर्मेनिया की सरकार का शुक्रिया अदा किया था और लड़ाई के बीच ईरान से भारत में भारतीय नागरिकों के सुरक्षित ट्रांजिट को मुमकिन बनाने के लिए अपने काउंटरपार्ट अरारत मिर्जोयान को धन्यवाद दिया था।

आर्मेनिया लगातार भारतीयों को निकालने में कर रहा मदद

आर्मेनिया ईरान में भारतीय नागरिकों को निकालने में मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान से 1,200 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से 996 आर्मेनिया चले गए। इस बीच, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव को सुलझाने के मकसद से बातचीत के लिए अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच गए। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिका-ईरान की जरूरी बातचीत के लिए अमेरिकी डेलीगेशन का नेतृत्व कर रहे।

सत्ता में आते ही लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई टीएमसी

● मुर्शिदाबाद में बोले पीएम मोदी, बंगाल सरकार और ममता बनर्जी को घेरा

कहा-बंगाल में लुटेरों का हिसाब होगा और घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को टीएमसी सरकार पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में वह मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी, लेकिन अब घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

बंगाल में अब डर या भय का नहीं, अवसर का युग आएगा– राज्य में घुसपैठ व डेमोग्राफी में तेजी से बदलाव पर चिंता जताते हुए मोदी ने कहा कि हम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

पीएम मोदी ने किया टीएमसी पर हमला

वहीं, पूर्वी बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने टीएमसी की सरकार को निर्मम करार दिया और लोगों से इसे उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बर्धमान बंगाल का धान का कटोरा हुआ करता था, टीएमसी के कुशासन और माफिया राज के कारण आज अपनी चमक खो चुका है। उन्होंने कहा कि बंगाल के किसानों के खाते में 800 करोड़ दिए हैं। यदि कोई फर्जी आधार कार्ड बनाता है तो वह किसानों का हक मार लेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल भाजपा ने जो घोषणा पत्र जारी किया है वह शानदार है और बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही इसे लागू कर दिया जाएगा।

टीएमसी का अहंकार भी चूर-चूर होगा

आजादी की लड़ाई से लेकर आजादी के बाद तक, जिस-जिसने बंगाल को चुनौती दी, उसका अहंकार चूर-चूर हो गया। पहले अंग्रेजों का अहंकार टूटा, फिर कांग्रेस का अहंकार टूटा, फिर लेफ्ट का अहंकार टूटा, अब टीएमसी का अहंकार भी चूर-चूर होगा। मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता ने लेफ्ट को निकाला। बड़ी आशा और उमंग के साथ मां, माटी, मानुष की बातें सुनकर टीएमसी को मौका दिया, लेकिन सत्ता में आते ही तृणमूल, लेफ्ट की कार्बन कापी बन गई। लेफ्ट के गुंडे तृणमूल में आ गए। लेफ्ट का सिंडिकेट तृणमूल में आ गया। पहले वोट के लिए लेफ्ट वाले धमकी देते थे, फिर वही गुंडे टीएमसी को वोट देने के लिए धमकी देने लगे। हथियार, नशे, मवेशियों की तस्करी, लेफ्ट का कट-कमीशन... सबका ठेका टीएमसी ने ले लिया है। मोदी ने कहा कि बंगाल में अब एक और एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थान भी बनेंगे, ताकि हमारे युवाओं को घर के पास ही अच्छी शिक्षा मिल सके। बंगाल में भ्रष्टाचारियों को बचाने वाले सावधान हो जाओ।

इस्तीफे से पहले ही सीएम हाउस खाली कर रहे नीतिश कुमार

● 7 सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट हो रहा सामान, लालू के पड़ोसी बनेंगे

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार इस्तीफे से पहले सीएम हाउस खाली कर रहे हैं। 1 अणे मार्ग से सामान 7 सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट हो रहा है। मुख्यमंत्री आवास से ट्रैक्टर ट्रॉली में सामान बाहर ले जाया जा रहा है। नीतिश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। सूत्रों की मानें तो नीतिश 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार बन सकती है। सीएम पद से हटने के बाद नीतिश कुमार लालू यादव के पड़ोसी बन जाएंगे। वह दिल्ली तो जा रहे हैं, लेकिन बिहार में अपना ठिकाना नहीं छोड़ेंगे। 7 सर्कुलर रोड आवास का इस्तेमाल अभी नीतिश कुमार ही कर रहे हैं। इसे सीएम ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। नीतिश ने अपनी देखरेख में इस बंगले को बनवाया था। ये भूकंप के झटके झेल सकता है। लॉन में कोलकाता से मंगाकर घास लगाई गई है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता

● हथियारों के साथ 1800 किलो पोस्ता दाना बरामद; दो गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चुराचांदपुर जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियारों के साथ 36 बोरे पोस्ता दाना (करीब 1800 किलो) और दो वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद हथियारों में एक माडिफाइड कार्बाइन और एक नौ एमएम पिस्टल शामिल है। इसी के साथ चंदेल जिले के जंगल में चलाए गए एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की। इसमें एक एके-47 राइफल, चार देसी बंदूकें, कई मैगजीन, सात मोर्टार, करीब चार किलो आईईडी बनाने का सामान और पांच वाकी-टाकी सेट शामिल हैं।

'खवातीन' आतंकी विंग का खतरनाक प्लान एक्सपोज

● आईएसआई से लिंक और मिले जाकिर नाइक के वीडियो ● हैदराबाद की महिला इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार, अब होगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल में कथित भूमिका के लिए हैदराबाद की रहने वाले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को गिरफ्तार किया है। वह एक सिंगल मदर है और उसके इंस्टाग्राम पर 38,000 फॉलोअर्स हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि वह कई राज्यों में युवाओं को ऑनलाइन कट्टरपंथी बनाने और उनकी भर्ती करने में शामिल थी। 25 मार्च तो सईदा को गिरफ्तार करने के बाद, विजयवाड़ा पुलिस के पता चला कि कथित तौर पर 'खवातीन' नाम के एक आतंकी संगठन की एक अलग महिला विंग बनाने और उसे उसकी लीडर बनाने की योजना थी। इस योजना के तहत भर्ती की गई महिलाओं को पूरे भारत में हमले के करने के लिए हथियार, बंदूकें और विस्फोटकों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जानी थी। सईदा, जो एक घरेलू सहायिका थी, वह आतंकियों की मदद कर रही थी।

लादेन और जारिक नाइक के कट्टरपंथी वीडियो मिले

एजेंसी के अनुसार, सईदा उन ऑनलाइन ग्रुप्स की एक ऐक्टिव मेंबर थी जो अल-कायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन के वीडियो और जाकिर नाइक और इसरार अहमद जैसे कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशकों के भाषणों को बढ़ावा देते थे। इसमें यह भी बताया गया है कि ये ऑनलाइन ग्रुप आईएसआई और लश्कर से जुड़ी सामग्री और वीडियो फैलाते थे। एक खुफिया अधिकारी ने बताया कि एक ग्रुप के साथ सईदा काम कर रही थी।

सईदा ने पुलिस के आरोपों से किया इनकार

सईदा ने पुलिस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया है, और उसके वकील का कहना है कि उसने ये ग्रुप नहीं बनाए थे, बल्कि उसे बिना उसकी जानकारी के इन ग्रुप्स में जोड़ दिया गया था। पुलिस के अनुसार, सईदा ने उन्हें बताया कि लगभग 7-8 महीने पहले उसे इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर एक लिंक मिला था।

होर्मुज स्ट्रेट पर नया संकट, फंस गया ईरान!

● अपनी ही बिछाई समुद्री माइंस नहीं खोज पा रहा शियादेश ● जहाजों के लिए बढ़ गया खतरा, आईआरजीसी की चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। पहले से ही तनावपूर्ण जियोपॉलिटिकल माहौल में एक नई मुश्किल खड़ी हो गई है। खबर है कि अब ईरान खुद भी होर्मुज स्ट्रेट के अहम जलमार्ग को पूरी तरह से खोल नहीं पा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि ईरान इस अहम शिपिंग कॉरिडोर में लगाई गई समुद्री माइंस का पता नहीं लगा रहा है और न उसके पास उन्हें तेजी से हटाने की क्षमता है। ईरानी सेना ने हाल की लड़ाई के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस लगा दी थी। इसके चलते समुद्री सुरक्षा और तेल सप्लाई को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। इस घटनाक्रम से पाकिस्तान में वॉशिंगनट और तेहरान के बीच होने वाली बातचीत पेचीदा हो सकती है। उम्मीद है कि इस्लामाबाद में यह मुद्दा उठेगा, जहां दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए पहुंचे हैं। इस बातचीत में अमेरिका की तरफ से जेडी वेंस और ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतत्व मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे जरूरी तेल ट्रांजिट रास्तों में से एक है। यहां से दुनिया भर के तेल शिपमेंट का लगभग पांचवां हिस्सा जाता है। भारत जैसे देशों के लिए, यह निर्भरता और भी ज्यादा है,

क्योंकि उसके एनर्जी इंपोर्ट का एक बड़ा हिस्सा इसी पतले चैनल से होकर गुजरता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पिछले महीने छोटी नावों का इस्तेमाल करके माइंस लगाई थीं; यह तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच यूएस और इजरायल के जॉइंट एयरस्ट्राइक के तुरंत बाद हुआ था। हालांकि, अब अधिकारियों का मानना है कि माइनिंग ऑपरेशन को शायद सिस्टमैटिक तरीके से डॉक्यूमेंट नहीं किया गया होगा। कुछ डिवाइस, रिकॉर्ड होने पर भी, इस तरह से लगाए गए थे कि वे इधर-उधर बहते रहे, जिससे उनका पता लगाना और हटाना काफी मुश्किल हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस अधिकारियों ने माइनिंग की कोशिश को बेतरतीब बताया और कमर्शियल शिपिंग के खतरों की ओर ध्यान दिलाया। इस स्थिति ने डिप्लोमैटिक कोशिशों, खासकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच इस्लामाबाद में चल रही अति अहम बातचीत पर भी असर डाला है।

आईआरजीसी ने जहाजों को दी है चेतावनी

रिपोर्ट में कहा गया है, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी जारी की थी कि स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाज समुद्री माइन से टकरा सकते हैं। हालांकि, इसने टोल देने वाले जहाजों के आने-जाने के लिए दूसरा रास्ता खुला छोड़ दिया है। चिंताओं को और बढ़ाते हुए, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने जहाजों को संभावित खतरे की चेतावनी देते हुए एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी जहाजों को यह बताया जाता है कि समुद्री सुरक्षा के नियमों का पालन करने और समुद्री माइन के संभावित टकराव से बचने के लिएज उन्हें होर्मुज स्ट्रेट में ट्रैफिक के लिए दूसरे रास्ते अपनाने की सलाह दी जाती है। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तय डेडलाइन से ठीक पहले ईरान ने सीजफायर के बाद स्ट्रेट को फिर से खोलने की सहमति दी, लेकिन माइंस को तेजी से साफ न कर पाने की वजह से नॉर्मल शिपिंग ऑपरेशन को पूरी तरह से फिर से शुरू करने में देरी हुई है। अधिकारियों ने इसके बजाय रिस्क कम करने के लिए दूसरे नेविगेशन रूट सुझाए हैं।

देश का भविष्य प्रतिभाशाली और संकल्पवान युवाओं के सुरक्षित हाथों में : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नैनीताल जनपद के भीमताल स्थित बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज में तीन दिवसीय तकनीकी एवं सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव स्पेक्ट्रम 2026 का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस आयोजन तथा नव–निर्मित भवन से संस्थान के छात्र–छात्राओं को आधुनिक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य प्रतिभाशाली और संकल्पवान युवाओं के सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को स्मरण करते हुए कहा कि भारत में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और उचित दिशा देने की है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान का प्रबंधन इसी भावना के साथ कार्य करते हुए युवाओं की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान की स्थापना के समय पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय पंडित नारायण दत्त तिवारी द्वारा व्यक्त अपेक्षाओं के अनुरूप यह संस्थान दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों के मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने का कार्य निरंतर कर रहा है। उन्होंने संस्थान द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, अनुशासन और संस्कारों की परंपरा को सराहनीय बताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्र–छात्राओं द्वारा तैयार किए गए मॉडलों का अवलोकन किया तथा उनकी नवाचारी सोच और रचनात्मकता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिड़ला संस्थान वर्षों से उत्तराखंड के युवाओं को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। यहां से शिक्षित विद्यार्थी देश–विदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं तथा कई युवा प्रशासनिक सेवाओं, भारतीय सेना और स्टार्टअप के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को सशक्त बनाने हेतु स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मुद्रा योजना, अटल इनोवेशन मिशन और पीएम युवा योजना जैसी पहलें संचालित की जा रही हैं, जो युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बना रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और युवाओं को नई संभावनाओं से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और बिग डेटा जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। साथ ही 20 मॉडल कॉलेजों की स्थापना, महिला छात्रावास, आधुनिक आईटी लैब एवं परीक्षा भवनों का निर्माण भी किया जा रहा है।

युवा ही राष्ट्र निर्माण की मुख्य शक्तिः धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को डी०ए०वी० पीजी कॉलेज, देहरादून में आयोजित छात्रसंघ समारोह में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य शक्ति बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि युवा केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी हैं। उनकी ऊर्जा, संकल्प और नवाचार की सोच ही भारत के विकास की दिशा निर्धारित करती है। उन्होंने छात्र राजनीति को नेतृत्व विकास, संगठन क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों से जुड़कर युवाओं में राष्ट्र सेवा, चरित्र निर्माण और सामाजिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि परिषद के कार्यकर्ता, शिक्षा संस्थानों से लेकर देश की सीमाओं तक राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महान समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वती के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण करना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में युवाओं को केंद्र में रखकर अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहलें शामिल हैं, जिन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, जैसे आधुनिक पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही, साइंस सिटी और एस्ट्रो पार्क जैसे परियोजनाओं के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

14 अप्रैल को लच्छीवाला टोल प्लाजा रहेगा टोल मुक्त

देहरादून। 14 अप्रैल को लच्छीवाला टोल प्लाजा टोल मुक्त रहेगा जबकि मोहंड के समीप आशा रोड़ी बैरियर भी खुला रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देहरादून दौरे के मद्देनजर डीएम सविन बंसल ने शहर को जाम से मुक्त रखने के लिए यह निर्णय लिया है।इस अवधि में फास्ट टैग से भी किसी प्रकार का कोई टोल नहीं वसूला जाएगा। देहरादून– दिल्ली एक्सप्रेस वे के लोकार्पण एवं जसवंत सिंह ग्राउंड गढ़ी कैंट परिसर में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम में काफी संख्या में लोगों के प्रतिभाग करने की संभावना है। ऐसे में जिला प्रशासन व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने में जुटा है। इस दौरान अधिक संख्या में वाहन शहर में आएंगे जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में जिलाधिकारी सविन बंसल ने लच्छीवाला टोल प्लाजा को 14 अप्रैल को प्रातः 5:00 बजे से सांय 8:00 बजे तक खुला रखने के आदेश दिए हैं । इस दौरान किसी भी निजी, कमर्शियल व अन्य वाहनों का टोल टैक्स नहीं काटा जाएगा। मंगलवार प्रातः 05 बजे से लेकर शाम 08 बजे तक टोल प्लाजा से वाहनों का निःशुल्क आवागमन रहेगा। जिलाधिकारी सविन बंसल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किए।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का विधायक सुमित ने किया समर्थन

हल्द्वानी। मानदेय वृद्धि समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना शनिवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। उनका कहना है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।कार्यकर्ताओं के समर्थन में हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश बुद्ध पार्क पहुंचे। उन्होंने कहा कि पूरे देश के पालन–पोषण की जिम्मेदारी निभाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अपने हक के लिए सड़क पर बैठना पड़ रहा है, जो बेहद शर्मनाक है।

उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक मंत्री, विधायक और सांसद को भारी वेतन और सुविधाएं मिलती हैं, जबकि देश की नींव मजबूत करने वाली इन कार्यकर्ताओं को मात्र 300 रुपये प्रतिदिन दिया जाता है। विधायक ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे तब तक आंदोलन जारी रखें, जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं।

ज्योतिबा फुले के योगदान को किया याद

श्रीनगर गढ़वाल। एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विवि के डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। इस दौरान छात्र–छात्राओं को उनके जीवन, विचारों एवं समाज सुधार ज्योतिबा फुले के योगदान से अवगत कराया गया। केंद्र समन्वयक प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा कि ज्योतिबा फुले का मानना था कि शिक्षा ही समाज को प्रगति की ओर ले जाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने महिलाओं और वंचित वर्गों को शिक्षित कर समाज में समानता स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया। डॉ. आशीष बहुगुणा, डॉ. वीर सिंह, डॉ. मुकेश सहाय, केंद्र के विद्यार्थियों सुनील, पूनम, किशोर एवं अनामिका ने विचार रखे।

कुरीतियों के खिलाफ किया था संघर्षः भाजपा ओबीसी मोर्चा ने कमलेश्वर मंदिर में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई। मुख्य वक्ता भाजपा जिला महामंत्री गणेश भट्ट ने कहा कि महात्मा फुले ने समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए महिलाओं, दलितों, वंचितों और किसानों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी ने कहा कि फुले ने सावित्रीबाई के साथ विवाह किया जो आगे चलकर भारत की पहली महिला शिक्षिका बनीं।

रोमांटिक अदब पर चर्चा, 'बसंती शायरी' की सजी महफिल

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर से बसंत ऋतु को समर्पित बसंत काव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. वीएन खाली ने विद्यार्थियों को रोमांटिक काव्य की गहराइयों से रूबरू कराया। उन्होंने प्रसिद्ध कवि जॉन कीट्स के हवाले से रोमांटिक शायरी की अवधारणा, इसकी विशेषताओं और वैश्विक साहित्य में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए बताया कि कैसे प्रकृति और भावनाएं मिलकर कालजयी साहित्य का निर्माण करती हैं। डॉ. नीलोफर अख्तर ने आज के परिवेश पर सटीक टिप्पणी की। प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी, डॉ. नवल किशोर लोहनी, डॉ. पंकज, डॉ. कविता बिष्ट, डॉ. आभा, डॉ. किरण, डॉ. अक्षय, डॉ. दीक्षा और डॉ. प्रभा पंत आदि मौजूद रहे।

बुजुर्गों और पार्षद ने घरों पर करवाई गैस की डिलीवरी

हल्द्वानी। देवकी बिहार कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिकों की गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा अभियान असर दिखाने लगा है। वार्ड संख्या 47 के पार्षद ने अभियान का समर्थन करते हुए शनिवार को कई कॉलोनियों में गैस की होम डिलीवरी करवाई।

शिवकाली धाम मंदिर परिसर में आयोजित संपर्क अभियान में सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र पाण्डे ने उपभोक्ताओं से होम डिलीवरी सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब उपभोक्ता डिलीवरी चार्ज दे रहे हैं तो लाइन में लगने की जरूरत नहीं है। पार्षद दीपक ने अभियान से जुड़ते हुए शिवशक्ति बिहार, पुष्प बिहार, कालिका कॉलोनी और शिवालिक बिहार क्षेत्रों में स्वयं जाकर गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी करवाई।

मरोड़ा में शराब दुकान खुलने के विरोध में स्थानीय लोगों ने किया प्रदर्शन

नई नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के सकलाना मरोड़ा पुल के समीप अंग्रेजी शराब की दुकान खोलने के विरोध में स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध किया। दुकान को तत्काल बंद करने की मांग को लेकर लोगों ने मरोड़ा में प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए बाद में डीएम के निर्देश पर उक्त दुकान को बंद कर दिया। सकलाना मरोड़ा पुल के समीप बीते दिन से एक अंग्रेजी दुकान का संचालन शुरू हुआ। शराब की दुकान खुलने की जानकारी मिलने पर शनिवार को स्थानीय लोग मरोड़ा में एकत्रित हुए। उन्होंने शराब की दुकान खुलने का जमकर विरोध किया। इस मामले में पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश उनियाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल डीएम नितिका खंडेलवाल से मिला। क्षेत्र में शराब की दुकान खोलने पर उन्होंने रोष जताते हुए इस जल्द बंद करने की मांग प्रमुखता से उठाई। डीएम के निर्देश पर आबकारी विभाग के अधिकारी बाद में मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शन कर लोगों से बातचीत कर बताया कि दुकान को तत्काल बंद किया जा रहा है। तब जाकर लोगों का गुस्सा शांत हुआ है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य सीता मनवाल, अनुसूया प्रसाद उनियाल, कुलदीप राणा,यशपाल कंडारी,अनार सिंह नकोटी आदि मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर निकलेगी तृतीय गोल्ज्यू यात्रा, 7 मई को हल्द्वानी पहुंचेगी

हल्द्वानी। तृतीय गोल्जयू यात्रा का शुभारंभ अक्षय तृतीया के अवसर पर 19 अप्रैल को चंपावत स्थित मुख्य मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना के साथ किया जाएगा। यात्रा हरिद्वार होते हुए गढ़वाल मंडल पहुंचेगी और वहां से पौड़ी, श्रीनगर, बद्रीनाथ से गुजरते हुए पुनः कुमाऊं क्षेत्र में प्रवेश करेगी। अपनी धरोहर न्यास संस्था की ओर से आयोजित इस यात्रा को लेकर शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष विजय भट्ट ने बताया कि 7 मई को यात्रा हल्द्वानी पहुंचेगी, जहां रामलीला मैदान से गोल्ज्यू मंदिर तक शोभायात्रा के रूप में नगर भ्रमण कराया जाएगा। यात्रा का समापन 9 मई को पुनः चंपावत में किया जाएगा। यह यात्रा मैदानी, मध्य हिमालय और उच्च हिमालय सभी क्षेत्रों को समाहित करेगी।

होम शैफ कुकिंग प्रतियोगिता में फरजाना ने बाजी मारी

देहरादून। मसूरी में स्टोट्रेक होटल्स एवं रोटरी मसूरी के संयुक्त तत्वाधन में आयोजित प्रेस्टीज कुकिंग प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में फरजाना ने पहला, पूजा कश्यप एवं तनिष्का भट्ट ने दूसरा, डा. सृष्टि कर्णवाल ने तीसरा पुरस्कार हासिल किया। दिनेश रावत को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। मसूरी में स्टोट्रेक होटल्स एवं रोटरी मसूरी के संयुक्त तत्वाधन में आयोजित प्रेस्टीज कुकिंग प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में कुकिंग का शौक रखने वाले महिला व पुरुषों ने उत्साह से प्रतिभाग कर अपनी पंसद के खाने को अपनी रेसिपी के माध्यम से तैयार किया। इस मौके पर जौनपुर की महिलाओं ने लोक नृत्य की मनमोहन प्रस्तुति दी। प्रेस्टीज उत्तराखंड प्रभारी सुशांत गुप्ता ने कहा कि कुकिंग कार्यक्रम में उन लोगों को मंच दिया गया है जो होम कुक जिसमें पुरुष व गृहणी शामिल है, जो अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। रोटरी मंडल 308 में असिस्टेंट गवर्नर तपन कौशिक ने कहा कि रोटरी समाज सेवा से जुड़ी संस्था है, लेकिन विगत वर्षों से विभिन्न प्रतियोगिताएं कराने का कार्य कर ही है। इसमें रायला मुख्य है और इसी कड़ी में कुकिंग प्रतियोगिता कराई जा रही है। ऐसी प्रतियोगिताओं से लोगों में आत्मविश्वास बढ़ता है व सभी उत्साहित है। उत्तराखंड होटल्स के निदेशक मनीष गोयल ने कहा कि यह कार्यक्रम होम शैफ्स के लिए हैं, जिसमें पुरुष व महिलाएं हैं। जिन्हें घर से बाहर निकल कर मंच प्रदान करना व उनके व्यंजनों को बढ़ावा देना है। रोटरी मसूरी के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने कहा कि यह प्रेस्टीज, रोटरेक्ट व रोटरी के माध्यम से किया जा रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने का कार्य करें कार्यकर्ता : सुबोध उनियाल

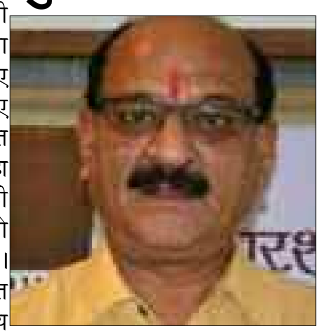

नई टिहरी। स्वास्थ्य व वन मंत्री सुबोध उनियाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने चार साल के कार्यों से अवगत कराते हुए कहा कि अब स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने पर सभी सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पालिका प्रेक्षाग्रह में नरेंद्रनगर विधानसभा के मंडल कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री और बीएलए के साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। वक्ताओं ने कहा कि बूथ लेवल की समस्याएं दूर कर सरकार की जनकल्याण नीतियों को जन–जन तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता का दायित्व है।

भतौरा गांव में रेडक्रॉस ने स्वास्थ्य जांच के साथ राहत सामग्री की वितरित

अल्मोड़ा। रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा आपदा और आपातकालीन स्थितियों में जरूरतमंदों की सहायता के क्रम में द्वाराहाट क्षेत्र के ग्राम भतौरा (बिन्ता) में चिकित्सा एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉक्टर जे.सी. दुर्गापाल ने ग्रामीणों को आंखों की देखभाल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आंखें जीवन का अनमोल उपहार हैं और गर्मी के मौसम में धूल से बचाव के लिए समय–समय पर ठंडे पानी से आंखें धोना चाहिए। उन्होंने आंखों के कुछ सरल व्यायाम भी बताए। रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन आशीष वर्मा ने गर्मी में ताजा भोजन करने, स्वच्छ जल पीने और नियमित व्यायाम करने पर जोर दिया। उन्होंने हृदय रोगियों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए दैनिक पैदल चलने की सलाह दी। कार्यक्रम में सोसाइटी के राज्य उपाध्यक्ष मनोज सनवाल ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने रक्तदान के महत्व को बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की। इस दौरान सोसाइटी की ओर से जरूरतमंदों को 15 कंबल, 15 तिरपाल, 10 आंखों के चश्मे और 2 बर्तन सेट वितरित किए गए। सरपंच कमला कैड़ा ने सोसाइटी के कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस कार्यक्रम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के साथ–साथ रक्तदान के महत्व को भी समझने का अवसर मिला। शिविर में रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन आशीष वर्मा, डॉक्टर जे.सी. दुर्गापाल, राज्य उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, सदस्य अनूप साह, सरपंच कमला कैड़ा सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

वीकेंड पर मसूरी में जुटी पर्यटकों की भीड़

देहरादून, वीकेंड पर मसूरी में पर्यटकों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होने से माल रोड सहित संपर्क मार्ग व मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। इससे पर्यटकों व निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के अधिकांश होटलों में 70 से 80 फीसदी तक की बुकिंग रही। रामाडा के जनरल मैनेजर हर्ष मनी सेमवाल ने बताया कि वीकेंड पर होटल पैक है। कामर्शियल सिलेंडर न मिलने के करण खाने के मैन्यू में बदलाव किया गया है। पर्यटकों को जरूरत के हिसाब से खाना परोसने में दिक्कत आ रही है। केवल दो आइटम पर्यटकों को दिए जा रहे हैं। मसूरी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि वीकेंड पर होटल में अच्छी खासी बुकिंग है। उन्होंने बताया कि कामर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई न होने से पर्यटकों को ऑर्डर के हिसाब से खाना नहीं दिया जा रहा है। केवल दो या तीन आइटम ही खाने में दिए जा रहे हैं। पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होने से माल रोड सहित पर्यटक स्थलों पर सुबह से लेकर शाम तक पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ जुटी रही। कंपनी गार्डन, कैंपटी फॉल, लाल टिब्बा, गनहिल सहित अन्य पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ होने से होटल व्यवसाय के साथ व्यापारियों को इसका लाभ मिलेगा।

बधाणीताल में 36वां पर्यटन मेला 14 से 15 तक होगा

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बधाणीताल में 14 व 15 अप्रैल को 36वां पर्यटन एवं बैसाखी मेला आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मेला समिति के अध्यक्ष मोर सिंह घिरवाण ने बताया कि इस वर्ष मेले में क्षेत्रीय संस्कृति, लोक परंपराओं और पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी होंगे और अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग पूनम कठैत करेंगी व ब्लॉक प्रमुख विनीता चमोली भी उपस्थिति रहेंगी। उन्होंने बताया कि मेले में लोकगायिका हेमा नेगी करासी एवं रेखा जोशी उनियाल अपने साथियों के साथ प्रस्तुतियां देंगी।

बौराड़ी हाईवे से शराब की दुकान हटाने की मांग

नई टिहरी। सामुदायिक मिलन केंद्र में आयोजित बैठक में स्थानीय लोगों ने बौराड़ी में चंबा–मसूरी हाईवे पर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान जल्द हटाने की मांग की। जल्द ही दुकान को न हटाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष कुलदीप सिंह पंवार की पहल पर आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बौराड़ी में नगर क्षेत्र के बीचोंबीच शराब की दुकान होने से वहां पर बार–बार यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। राहगिरों को भी खासी परेशानी नी उठानी पड़ रही है। जनहित में दुकान को वहां से तत्काल शिफ्ट किया जाना चाहिए। कहा कि शराब की दुकान के कारण वहां अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन जाती है। जिससे पैदल चलने वाले, स्कूली बच्चे, महिलाएं और आपातकालीन स्थिति में अस्पताल जाने वाले लोग तक प्रभावित हो रहे हैं। संकरी सड़क, आसपास खड़ी गाड़ियां, फुटपाथ पर अतिक्रमण और बढ़ती भीड़ ने इस क्षेत्र को बेहद संवेदनशील बना दिया है। निर्णय लिया गया कि इस मामले में एक प्रतिनिधिमंडल डीएम को ज्ञापन देगा। बैठक में राज विद्या केंद्र के संयोजक भगवान चंद रमोला, होटल एसोसिएशन के ओमप्रकाश रतूड़ी, श्रीपाल चौहान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विजय गुनसोला, शांति प्रसाद भट्ट मौजूद रहे।

जब तक सिलिंडर नहीं मिलेंगे दुकानें रहेंगी बंद...

श्रीनगर गढ़वाल। शहर में व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की किल्लत के कारण कैफे और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने भारी संकट खड़ा हो गया है। शनिवार को स्थिति यह रही कि कई कैफे हाउस और रेस्टोरेंट संचालकों ने अपनी दुकानों के बाहर अवकाश की सूचना चस्पा कर दी। उन्होंने स्पष्ट लिखा कि जब तक सिलिंडरों की व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। कैफे संचालक संजय जैन ने बताया कि उनके मेन्यू में कई तरह की वैरायटी हैं। मजबूरी में कुछ सामान ओवन और इंडक्शन पर तैयार किए जा रहे हैं लेकिन कई खास व्यंजन बिना गैस के नहीं बन सकते। विकल्प के तौर पर लकड़ी की भट्टी का इस्तेमाल हर जगह संभव नहीं है। जिन प्रतिष्ठानों के पास खुली जगह है वहां तो लकड़ी से किसी तरह काम चलाया जा रहा है लेकिन बंद कैफे में वेंटिलेशन की उचित व्यवस्था न होने के कारण धुआं भर जाता है। अब इन हालातों में श्रीनगर में लगभग चार से पांच बड़े होटल संचालकों को अपना कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है।

शादी–समारोहों पर भी पड़ा असरः व्यावसायिक सिलिंडरों की कमी का असर शादी, समारोह पर भी पड़ रहा है। स्थानीय निवासी शिवम नैथानी के परिवार में कुछ ही दिनों बाद शादी है। शनिवार को वे गैस सिलिंडर के लिए परेशान नजर आए। उन्होंने कहा कि शादी जैसे बड़े समारोह के लिए अब तक बमुश्किल दो ही सिलिंडर मिल पाए हैं। इतने कम गैस सिलिंडरों में पूरे समारोह में लोगों के लिए भोजन कैसे तैयार होगा।

कोतवाली श्यामपुर क्षेत्र से बाबा बन लोगों को फंसाने वाले 9 पकड़े

हरिद्वार। ऑपरेशन कालनेमि के तहत कोतवाली श्यामपुर पुलिस ने शनिवार को नौ फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई नमामि गंगे घाट चंडीघाट और चिड़ियापुर क्षेत्र में की गई। प्रभारी निरीक्षक नितेश शर्मा ने बताया कि ये लोग साधु–संतों का वेश धारण कर राहगीरों और पर्यटकों को रोकते थे और तंत्र–मंत्र व जादू–टोने का झांसा देकर उन्हें अपनी ओर आकर्षित करते थे। इससे स्थानीय लोगों और यात्रियों में आक्रोश की स्थिति बनने की आशंका थी। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जांच के दौरान चंडीघाट से सात और चिड़ियापुर से दो लोगों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए लोगों में रामचरण दास (75), खदेरु (60), मोहन कुमार (47) गंगासाहु (65), मंगू सिंह (60), लालगिरी (70), घनश्याम (32), जुगणु (35) और मुन्ना (48) शामिल हैं।

एक नजर

कार्यशाला में ऊर्जा संरक्षण के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग एवं भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित 10 दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित शोध कार्यप्रणाली कार्यशाला शनिवार को संपन्न हो गई। इस दौरान विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने आधुनिक शोध उपकरणों व सतत जीवनशैली पर जानकारी दी।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नई दिल्ली) के सह-प्राध्यापक व मुख्य अतिथि डॉ. अमित गौतम ने 'रिसर्च रैबिट' एवं 'सेमांटिक स्कॉलर' जैसे शोध उपकरणों का व्यावहारिक उपयोग समझाया। डॉ. आलोक सागर गौतम ने सतत जीवन और स्वस्थ पृथ्वी विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जैविक खाद्य पदार्थ, ऊर्जा संरक्षण को अपनाने पर जोर दिया। इस मौके पर प्रो. त्रिलोक चंद्र उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि एनआईटी श्रीनगर के कुलसचिव हरि मौल आज़ाद, प्रो. अनिल कुमार नौटियाल, डॉ. देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

होटल व दुकानों में पी शराब तो होगी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः शराब के ठेके को हटाने की मांग को लेकर शनिवार को महिलाओं का क्रमिक अनशन 28वें दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलनकारी महिलाओं के साथ शराबियों की ओर से की जा रही अभद्रता की शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया और आसपास के रेस्टोरेंट, होटलों व ढाबों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इन दुकानों के बाहर शराब पीना मना है के पोस्टर भी चस्पा किए गए।

जिला पंचायत सदस्य पुष्पा रावत ने टिहरी एसएसपी श्वेता चौबे को इस संबंध में शिकायतीपत्र भेजा था। इसका संज्ञान लेते हुए देवप्रयाग पुलिस ने शराब ठेके के आसपास स्थित तमाम रेस्टोरेंट, होटलों व ढाबों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस ने सभी सार्वजनिक स्थलों और खाने-पीने की दुकानों पर यहां शराब पीना मना है के पोस्टर चस्पा कर दिए। दुकानदारों को सख्त हिदायत दी यदि उनके परिसरों में कोई भी व्यक्ति शराब पीता मिला तो संबंधित के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुष्पा रावत ने कहा कि शराब माफिया के इशारे पर महिलाओं का अपमान करने वाले तत्वों पर पुलिस को पैनी नजर रखनी होगी। सुरक्षा के लिहाज से क्षेत्र में तत्काल सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। इस अवसर पर जगदंबा देवी, ऊषा देवी, सुनीता देवी, विमला, शाकम्बरी, भवानी, प्रतिमा कैलाशी और भड्डू देवी आदि मौजूद रहे।

खाई में गिरी कार, चार की उपचार के दौरान मौत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः देवप्रयाग-पौड़ी मार्ग पर बीते 23 नवंबर को हुए हादसे में गंभीर घायल वाहन चालक जगदीश भट्ट की उपचार के दौरान मौत हो गई।

बीते 23 नंबर को जगदीश भट्ट (42) पयाल गांव के निकट गहरी खाई में गिरने से बुरी तरह घायल हो गया था। सीएचसी बागी में प्राथमिक उपचार के बाद उसे जॉलीग्रांट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उसे इंदिरेश अस्पताल देहरादून में भर्ती कराया गया था जहां शुक्रवार रात उसने दम तोड़ दिया। बाह बाजार निवासी जगदीश भट्ट (पुत्र बदरी प्रसाद भट्ट) के आकस्मिक निधन पर व्यापारियों व परिजनों ने शोक जताया।

दुगड्डा क्षेत्र में चलाया स्वच्छता अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहरी विकास निदेशालय देहरादून के निर्देश पर स्वच्छता सप्ताह के तहत दुगड्डा क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को भी स्वच्छता का संदेश दिया गया। कहा कि बेहतर समाज निर्माण के लिए हमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नगर पालिका अधिशासी अभियंता के निर्देश पर दुगड्डा सुभाष चौक में अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि हमें कूड़ा सार्वजनिक स्थानों पर डालने के बजाय कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए। क्षेत्र को स्वच्छ व स्वस्थ बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

जयंती पर ज्योतिराव फुले को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती पर कांग्रेस की ओर से गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्यों ने समाज की बेहतर तरक्की के लिए महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों ने ज्योतिराव फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि ज्योतिबा फुले एसे महापुरूष हुए जिन्होंने समता मूलक समाज की नींव रखी। कहा कि उनका पूरा जीवन संघर्षपूर्ण रहा है। कहा कि ज्योतिबा फुले ने शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे शसक्त माध्यम बनाया। कहा कि तत्कालीन समय में लड़कियों व वंचित वर्गों को शिक्षा से दूर रखा जाता था, जिसके लिए ज्योतिबा फुले ने बालिकाओं के लिए देश का पहला विद्यालय स्थापित किया।

वे लगातार किसानों, श्रमिकों व वंचित समाज के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव व उंच्य नीच व कुरीतियों के खिलाफ भी अपनी आवाज बुलंद करने का भरसक प्रयास किया। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण, गीता नेगी, संजय मित्तल, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, विजय नारायण सिंह, गणेश नेगी, देवेंद्र नेगी, विजय माहेश्वरी, बृजपाल सिंह, राजीव कपूर मौजद रहे।

पासपोर्ट सेवा का विस्तार कर रही केंद्र सरकारः पबित्र

पासपोर्ट सेवा केंद्र का शुभारंभ करते हुए बोले विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने कहा कि सरकार देश में पासपोर्ट सेवा का विस्तार कर रही है। इसके तहत हर क्षेत्र को पासपोर्ट केंद्र से जोड़ा जा रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जितने भी वादे देश की जनता से किए थे वह उन्हें पूरा कर रहे हैं। हमारा देश एक विकसित भारत की राहत पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोटद्वार में पासपोर्ट केंद्र खुलने से मैदान व पहाड़ के लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

शनिवार को तहसील परिसर में पासपोर्ट केंद्र के शुभारंभ कार्य को सबंधित करते हुए राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने यह बात कही। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत गढ़वाली शब्द देवभूमि का मेरा भै-बन्धों, दीदी- भुल्यों, दाना-सयाणों, आप सबू कैं, म्यर नमस्कार से की। उन्होंने कहा कि हमारा देश विकसित भारत की राह पर तेजी से आगे बढ़ रह है। हर व्यक्ति तक पासपोर्ट सेवा पहुंचाई जा रही है। पूर्व में लोग पासपोर्ट बनाने के लिए बड़ी- बड़े शहरों के चक्कर काटते थे। लेकिन, अब सरकार हर गांव हर छोटे शहर को पासपोर्ट केंद्र से जोड़ रही है। सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि उन्होंने जनता से जितने भी वादें किए

कोटद्वार में पासपोर्ट केंद्र का शुभारंभ करते विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा व अन्य

उन्हें पूरा करने के लिए वह गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। वर्ष-2026 गढ़वाल के लिए एतिहासिक होने वाला है। इस वर्ष गढ़वाल को कई महत्वपूर्ण योजनाओं से जोड़ा जाएगा। कहा कि पासपोर्ट सेवा केंद्र का शुभारंभ होने से पूर्व ही कोटद्वार में पासपोर्ट बनने का कार्य प्रारंभ हो गया था। सरकार लोगों को पासपोर्ट सेवा देने के साथ ही विदेश में भी उनकी पूरी मदद करती है। यदि कोई भी व्यक्ति विदेश में फंस जाता है या उसका पासपोर्ट खो जाता है तो सरकार उसकी त्वरित मदद करती है। कहा कि लालढांग–चिल्लरखाल मोटर मार्ग को लेकर कुछ लोग अफवाह फैलाने का कार्य कर रहे हैं। मार्ग पर किसी भी तरह के मार्ग को नहीं रोका जाएगा। इसके लिए उन्होंने सेंटर बोर्ड कमेटी को भी पत्र भेजा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में भी इस बात को गंभीरता से रखा जा रहा है। कहा कि कंडी मार्ग को खोलने के लिए भी प्रयास हो रहे हैं। इसके लिए भी न्यायालय में रिट दायर की गई है। जिस पर जल्द ही सुनवाई भी होगी। लालढांग- चिल्लरखाल मोटर मार्ग के बाद कंडी मार्ग खुलने से गढ़वाल व कुमाऊं की जनता को इसका बेहतर लाभ मिलेगा।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, लैंसडौन विधायक दिलीप सिंह रावत, पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी देहरादून अनुज स्वरूप, राजेंद्र अण्थ्वाल, ऋषि कंडवाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार को मिलेगी वंदे भारत की सुविधा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिल बलूनी ने कहा कि जल्द ही कोटद्वार वाशियों को दिल्ली जाने के लिए वंदे भारत का लाभ मिलने वाला है। इसके लिए वह गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कोटद्वार से पौड़ी के मध्य टनल बनाने की बात कही। कहा कि इससे कोटद्वार से पौड़ी का सफर करीब 35 किलोमीटर कम हो जाएगा। सरकार विकास के वादे के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है।

बाल मेले में दिखा उत्साह, रंगोली प्रतियोगिता में वंशिका रही प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राजकीय जूनियर हाईस्कूल पदमपुर में बाल कल्याण परिषद की ओर से धूमधाम के साथ बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले को लेकर स्कूली बच्चों में उत्साह बना हुआ था। साथ ही बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। इस दौरान दौरान रंगोली प्रतियोगिता में वंशिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अव्वल विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

आयोजित मेले का शुभारंभ प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी प्रधानाचार्य उमाकांत कुकरेती ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रंगोली प्रतियोगिता में राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर की छात्रा वंशिका, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पदमपुर की छात्रा सृष्टि, राजकीय बालिका इंटर कालेज लालपानी की छात्रा आस्था ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर की आराध्या, राजकीय बालिका इंटर कालेज कोटद्वार की कहकशा, राजकीय बालिका इंटर कालेज लालपानी की आस्था ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला में राजकीय बालिका इंटर कालेज लालपानी के राघव सिंह, राजकीय बालिका इंटर कालेज के छात्र मरियम, राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय मोटाढाक के छात्र आर्यन नेगी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान में राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय काशीरामपुर के छात्र मो. ओसामा, राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर के छात्र लक्ष्मी चंद, राजकीय बालिका इंटर कालेज लालपानी की छात्रा आस्था ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस दौरान विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर लक्ष्मी नैथानी, अरूण कुकरेती, निधि रावत, सुषमा ममगाई, संतोष रावत, अंजली डिमरी, रविंद्र प्रसाद मंजेड़ा, अजय नौड़ियाल, सुबोध ध्यानी, कुल गौरव द्विवेदी, उमेश कुमार वर्मा, हर्षपाल कंडारी, सोमपाल सिंह, लक्ष्मी देवी, पुष्पा रावत, जागृति कुकरेती, दुर्गेश देवरानी, सुधीर डंगवाल आदि मौजूद रहे।

महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लें युवा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः अंबेडकर जयंती से पूर्व महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर आनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के कई विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों को महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। ऑनलाइन वैबिनार में राजकीय महाविद्यालय सतपुली, राजकीय महाविद्यालय किच्छा, उधमसिंह नगर तथा राजकीय महाविद्यालय बलुवाकोट ने प्रतिभाग किया। जिसका विषय ह्लडॉ० आम्बेडकर : विजन, इमेजिनेशन एंड अनफिनिस्ड मिशन था। इसमें 120 प्रतिभागियों ने सहभाग किया। कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्राध्यापकों, रिसर्च स्कॉलरों तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय परिचर्चा की अध्यक्षता प्रोफेसर संजय कुमार, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय सतपुली ने किया। उन्होंने आम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के उन पक्षों को उजागर किया जिस पर लेखन एवं चर्चा अपेक्षाकृत कम हुई है। मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज के प्रोफेसर अजीत कुमार ने आम्बेडकर के आर्थिक विचारों, आर्थिक राष्ट्रवाद के क्षेत्र में उनके योगदानों पर सम्यक प्रकाश डाला। पूना के प्रोफेसर लहू गायकवाड़ ने मराठी साहित्य की विविध विधाओं में आम्बेडकर पर लिखी गई रचनाओं और कृतियों पर सविस्तार प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन तकनीकी संयोजन डॉ० दीप्ति, डॉ० वीर सिंह, प्रो० राकेश इस्टवाल ने किया। संजय कुमार ने आम्बेडकर के उन अधूरे सपनों और संकल्पों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई जिससे समता मूलक समाज के निर्माण का यथार्थ रूप में परिणति हो।

अपराध मुक्त समाज के लिए एकजुटता जरूरी

आयोजित बैठक में जानकारी देती सीओ निहारिका सेमवाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पुलिस क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल ने अपराध मुक्त समाज निर्माण के लिए आमजन से सहयोग की अपील की। कहा कि इसके लिए पुलिस व आमजन को एकजुट होकर कार्य करना होगा। हमें जन-जन तक साइबर अपराध, महिला अपराध सहित अन्य अधिकारों की जानकारी पहुंचानी चाहिए। कोतवाली में महिला सुरक्षा, बाल कल्याण एवं अपराधों की प्रभावी रोकथाम के लिए बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल ने की। उन्होंने कहा कि अपराध रोकने के लिए आपसी सहयोग व समन्वय होना आवश्यक है। अपने आसपास होने वाली हर संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई से निपटने के लिए भी आमजन का जागरूक होना आवश्यक है।कहा कि अपराध पर विराम लगाने के लिए पुलिस गंभीरता से कार्य कर रही है। समय–समय पर पुलिस अधिकारी स्वयं गश्त करते हैं। बैठक में मानव तस्करी, अनैतिक देह व्यापार, महिलाओं व बच्चों के उत्पीड़न सहित पोक्सो एक्ट की जानकारी दी गई। कहा कि समाज में बढ़ते बाल श्रम व भिक्षावृत्ति को रोकने के लिए भी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है।

काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः राजकीय शिक्षक संघ गढ़वाल मंडल शाखा ने प्रदेश के अटल उत्कृष्ट विद्यालयों में शिक्षकों की काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना करने की मांग की है। मंडल अध्यक्ष जयदीप रावत व मंडलीय मंत्री मनमोहन सिंह चौहान ने प्रांतीय नेतृत्व को इस संबंध में ज्ञापन भेजा है। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि विगत 25 सितंबर को अटल उत्कृष्ट विद्यालयों में पदस्थापना के लिए शिक्षकों की स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की गई थी जिसका अक्तूबर में परीक्षाफल भी घोषित कर दिया गया लेकिन पांच माह का समय व्यतीत होने के बाद भी स्क्रीनिंग परीक्षा में सफल शिक्षकों के पद स्थापना नहीं की गई। कहा कि विगत कुछ वर्षों में एलटी संवर्ग के शिक्षकों की नियुक्ति के समय सामान्य संवर्ग के विद्यालयों में रिक्त पद न होने के कारण शिक्षकों को अटल उत्कृष्ट विद्यालय में नियम विरुद्ध नियुक्ति दे दी गई जो की स्क्रीनिंग परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों के साथ अन्याय है। संगठन ने मांग की कि जल्द से जल्द संबंधित शिक्षकों की काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना की जाए।

भागीरथी में कूड़ा : कूड़ा प्रबंधन पर सवाल खड़े

उत्तरकाशी। जोशियाड़ा में झूला पुल के समीप खुलेआम कूड़ा फेंका जा रहा है जो सीधे भागीरथी में जाकर नदी को प्रदूषित कर रहा है। स्थानीय लोगों की ओर से वहां पर घरों का कूड़ा डाला गया है। गंगा तट पर स्थित होने के कारण भागीरथी नदी का यह क्षेत्र धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां प्रतिदिन सुबह मणिकर्णिका घाट सहित अन्य घाटों पर पूजा–अर्चना और स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही रहती है। ऐसे में गंदगी और कूड़े की मौजूदगी से श्रद्धालुओं की आस्था को भी ठेस पहुंच रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत किये जाते है। निविदा की कीमत धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्याः 285-DRM-MB-25-26 Date - 10.01.2026

कार्य का नामः Supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 115000 cum machine crushed stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway Specification including loading of ballast into Rly. wagons/ hoppers at Khurja city depot.

टेन्डर क्लोसिंग दिनांकः 03.02.2026

टेन्डर क्लोसिंग समयः 16:00

अनुमानित लागतः 15,71,92,350.00

धरोहर राशिः 9,36,000.00

कार्य पूर्ण करने की अवधिः 10 माह

बिडिंग आरंभ तिथिः 20.01.2026

टेन्डर नं.: **Sr. DEN-C/Publication/25-26 दिनांकः 10.01.2026** 116/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

सूचना संख्याः 11/2026 दिनांक :- 10.04.2026

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	**09/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026**:– विभिन्न खंडों में स्टेशन के सिग्नलिंग उपकरणों को बिजली आपूर्ति बढ़ाने के लिए सीएलएस पैनल और एरियल बंच केबल की व्यवस्था करने के लिए विद्युत कार्य।	32879224.48 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद	314400.00	12 (बारह) माह	निविदाएं दिनांक **04.05.2026** को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन **15:00** बजे खोली जाएँगी।	वेबसाइट **www.ireps.gov.in** मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1225/2026

सतपुली–गुमखाल के बीच हाईवे चौड़ीकरण बरसात में बनेगा मुसीबत का सबब

कोटद्वार। कोटद्वार–पौड़ी हाईवे पर गुमखाल–सतपुली के बीच चौड़ीकरण जारी है। इस समय मार्ग पर कई जगह डेंजर जोन हैं। मार्ग पर मलबा आने और बोल्डर गिरने की आशंका से खतरा मंडराने लगा है। वहीं, हाईवे के विकल्प के तौर रैतपुर–मैंदोली–जयहरीखाल मार्ग का डामरीकरण नहीं होने से बरसात में आवागमन की बड़ी समस्या खड़ी होने की आशंका है। गुमखाल–सतपुली के बीच जिन जगहों पर डेंजर बने हैं। बरसात में उन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ तो जिले की 80 फीसदी आबादी समेत पूरे जिले में इसका असर पड़ेगा। दरअसल यही हाईवे पौड़ी होते हुए श्रीनगर में ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे पर मिलता है। वहीं, गुमखाल–सतपुली हाईवे के वैकल्पिक मार्ग के तौर में लाए जा रहे सतपुली–कांडाखाल–सिसल्डी मार्ग से कोटद्वार की दूरी लगभग दोगुनी हो जाती है।

कोटद्वार के बॉक्सरों ने जीते पदक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जूनियर बालक/बालिका नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कोटद्वार छात्रावास के बॉक्सर प्रत्यूष डोभाल ने रजत पदक जीता। प्रतियोगिता में कोटद्वार छात्रावास के तीन बॉक्सरों ने प्रतिभाग किया और उत्तराखंड ने प्रतियोगिता में एक स्वर्ण व तीन रजत पदक जीते।

स्टेडियम इंचार्ज और बॉक्सिंग कोच श्याम सिंह डांगी ने बताया कि जूनियर बालक/बालिका नेशनल बॉक्सिंग प्रतियोगिता महाराष्ट्र के नागपुर में 4 से 11 मार्च तक आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में कोटद्वार के प्रत्यूष डोभाल ने 57 से 60 किग्रा. भार वर्ग में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता में राज सिंह ने 60 से 63 किग्रा. भार वर्ग में, अभय धामी ने 63 से 66 किग्रा. भार वर्ग में प्रतिभाग किया। उत्तराखंड की टीम का नेतृत्व एक कोच के रूप में उन्होंने स्वयं किया। जिला क्रीड़ाधिकारी जयवीर सिंह रावत, वरिष्ठ सहायक शिवम सिंह रावत, स्टेडियम के कोचों और खेल प्रेमियों ने इन मुक्केबाजों के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए चलाया अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग पौड़ी की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने लोगों को विभिन्न जानकारियां दी।

मुख्य चिकिसाधिकारी डा. शिव मोहन शुक्ला के निर्देश पर अभियान की शुरु आत की गई। कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम राजीव रावत के नेतृत्व में विकासखंड थलीसैण के अंतर्गत जहां गृह प्रसव अधिक हैं, वहां पर चिन्हित क्षेत्रों में गृह भ्रमण किया गया। जिसमें त्रिपालीसैण, बगेली उपकेंद्र के ग्राम डूंगरी तल्ली, रिस्ती, रिखोली, कुंडील, कुचोली, ईडा नौगांव व चौरा में अभियान चलाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थैलीसैंण से स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अंकिता रावत व डॉ पूजा पाटिल द्वारा 38 गर्भवती महिलाओं की ए.एन.सी. जांच की गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ शिव मोहन शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि गृह भ्रमण के दौरान 28 गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड पाये गए व अन्य 10 महिलाओं को निशुल्क खुशियों की सवारी 102 के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैण में अल्ट्रासाउंड हेतु बुलाया गया है। प्रबंधक राजीव रावत ने बताया कि क्षेत्र में गृह भ्रमण के दौरान गर्भवती महिलाओं और उनके परिवार जनों को संस्थागत प्रसव कराने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही मातृत्व सुरक्षा को लेकर चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। टीम में ए.एन.एम. माया रावत, जिला डाटा मैनेजर मनीष भट्ट, मनमोहन देवली, रविकांत उनियाल, दीपा भंडारी,रेखा आदि उपस्थित थे।

घर-घर जाकर जानकारी लेते स्वास्थ्य कर्मी

जनगणना में समान अनुपात में लगाए शिक्षकों की ड्यूटी

कोटद्वार। विकासखंड जयहरीखाल में ज्यादातर शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगने से राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है जिससे सत्र शुरू होते ही अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है। राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने लैंसडौन में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों की ड्यूटी समान अनुपात में लगाने की मांग की जिससे पठन–पाठन कार्य भी प्रभावित न हो।

जिलाध्यक्ष भवान सिंह नेगी व जिला मंत्री बिजेंद्र बिष्ट ने बताया कि सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के करीब 70 प्रतिशत शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना के पर्यवेक्षक व प्रगणक के कार्य में लगाई गई है।

पत्रांक 751/Ghass/26 दिनांक 11/04/2026

Walk in Interview

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (टी0आई0) घास

ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था द्वारा संचालित **NACO** एवं उत्तराखण्ड **USACS** देहरादून के सहयोग से लक्ष्यगत हस्तक्षेप (टी0आई0) परियोजना कोटद्वार में संस्था को ओ0आर0डब्ल्यू0 व काउन्सलर के पद पर अस्थाई कार्य करने हेतु अभ्यर्थी की आवश्यकता है।

क्र. सं.	पद	पदों की सं0	वेतन + यात्रा भत्ता	शैक्षिक योग्यता /अनुभव
1	आउटरीच वर्कर (ORW)	01	10500+ यात्रा भत्ता	10 वीं पास व स्थानीय समुदाय व भाषा का अच्छा ज्ञान अच्छा ज्ञान (1 साल का संस्था में कार्य का अनुभव) (कम्प्यूटर ज्ञान व स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता)
2	काउन्सलर (Counselor)	02	16000+ यात्रा भत्ता	स्नातकोत्तर समाजशास्त्र/मनोविज्ञान व 1 वर्ष का अनुभव स्नातक समाजशास्त्र/एम0एस0डब्लू0/मनोविज्ञान व 3 वर्ष का अनुभव (राष्ट्रीय स्वास्थ्य के तहत परामर्श/शिक्षा में अनुभवी अभ्यर्थी को वरीयता) व कम्प्यूटर ज्ञान अति आवश्यक

इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा तथा अपने समस्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रति एवं छाया प्रति लेकर दिनांक 17/04/2026 को प्रातः 11:00 बजे संस्था के प्रशासनिक कार्यालय ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था, ग्राम मानपुर कलालघाटी, निकट श्री शिव मन्दिर,कोटद्वार में साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों। अधिक जानकारी के लिए - मो0, 9548124476,9675287507 पर सम्पर्क कर सकते है।

सचिव
ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था
कुम्भीचौड़, कोटद्वार।
(0495/21)

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मयार्दाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

महात्मा ज्योतिराव फुले: भारत के दिव्य पथ–प्रदर्शक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आज 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म–जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है।महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है।अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।महात्मा फुले ने कहा था, जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

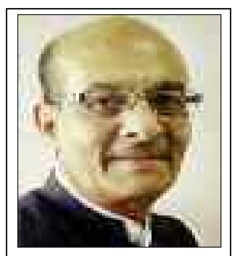
सनत जैन

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वतः समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैं। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

आस्था का बाजारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'–यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है–विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक–मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता धार्मिक स्थलों की मूल भावना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदि स्थान नहीं होते, बल्कि वे मान आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और करता है, तो उसकी आध्यात्मिक होती है। यह अनुभव उसे निराश सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदि सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं।

जयन्त

संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और **सम्पादक**
नागेन्द्र उनियाल

द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No. 88895 (UTTHIN/2005/16338)

हिम्मत: डरपोक राजू की बहादुरी की प्रेरक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और हरे-भरे राज्य में 'शांतिपुर' नाम का एक गाँव था। इस गाँव के किनारे से एक साफ़ और ठंडे पानी की नदी बहती थी। गाँव में आम, अमरूद और नीम के बड़े-बड़े पेड़ थे। इसी शांतिपुर गाँव में एक दस साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था राजू। राजू पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसका दिल बहुत साफ था। लेकिन राजू की एक बहुत बड़ी परेशानी थी-वह बहुत डरपोक था।

उसे हर चीज़ से डर लगता था। रात के अंधेरे से, तेज़ आवाज़ से, ऊँचाई से, और यहाँ तक कि गली के छोटे-छोटे जानवरों से भी। जब भी आसमान में बिजली कड़कती, राजू डर के मारे अपने बिस्तर के नीचे छिप जाता था।

राजू के इस डरपोक स्वभाव की वजह से गाँव के दूसरे बच्चे अक्सर उसका मज़ाक उड़ाते थे। जब बच्चे क्रिकेट खेलते और गेंद किसी पुरानी हवेली या झाड़ियों में चली जाती, तो वे राजू को डराने के लिए कहते, 'राजू, जा जाकर गेंद ले आ, वहाँ भूत रहता है!' राजू डर के मारे कांपने लगता और रोने-रोने को हो जाता। सब बच्चे उस पर ज़ोर-ज़ोर से हँसते थे। राजू को यह सब बहुत बुरा लगता था। वह अक्सर सोचता था कि काश उसके अंदर भी दूसरे बच्चों की तरह बहादुरी होती।

बच्चों, क्या आप जानते हैं कि असली साहस या हिम्मत किसे कहते हैं? हिम्मत का मतलब यह नहीं होता कि आपको कभी डर ही न लगे। असली हिम्मत तो वह होती है जब आप बहुत डरे हुए हों, लेकिन फिर भी सही काम करने के लिए आगे कदम बढ़ाएं। राजू को भी जल्द ही इस बात का मतलब समझ आने वाला था।

राजू वैसे तो जानवरों से बहुत डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल से लौटते समय उसने देखा कि सड़क के किनारे एक छोटा सा भूरे रंग का पिल्ला (कुत्ते का बच्चा) ठंड से कांप रहा था। वह बहुत भूखा और कमज़ोर लग रहा था। राजू को पहले तो डर लगा, लेकिन पिल्ले की मासूम आँखों को देखकर राजू का दिल पसीज गया।

राजू ने अपने टिफिन में बची हुई आधी रोटी उस पिल्ले के सामने डाल दी। पिल्ला तुरंत रोटी खा गया और अपनी छोटी सी पूंछ हिलाते हुए राजू के जूतों को चाटने लगा। उस दिन से राजू और उस पिल्ले की पक्की दोस्ती हो गई। राजू ने उसका नाम 'शेरू' रखा। अब रोज़ स्कूल आते-जाते राजू शेरू के लिए कुछ न कुछ खाने को लाता। शेरू राजू को देखकर उछल-कूद करता। शेरू के साथ रहकर राजू अपना डर भूल जाता था।

गर्मियों का मौसम खत्म हुआ और बारिश का मौसम आ गया। इस बार शांतिपुर गाँव में बहुत भयानक बारिश हुई। लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश होती रही। आसमान में काले-काले बादल छाए रहते और तेज़ बिजली कड़कती रहती। सूरज तो जैसे कहीं छिप ही गया था।

इतनी तेज़ बारिश के कारण गाँव के किनारे बहने वाली नदी का पानी बहुत बढ़ गया। नदी में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई।

तभी अचानक, बाहर हवा की आवाज़ के बीच राजू को एक जानी-पहचानी आवाज़ सुनाई दी। कूईं... कूईं... कूईं...

राजू ने तुरंत अपनी रज़ाई हटाई। यह आवाज़ शेरू की थी! राजू ने खिड़की से बाहर झाँक कर देखा। उसका घर नदी के थोड़ा पास ही था। राजू ने देखा कि शेरू नदी के किनारे एक बड़े से पत्थर पर फँसा हुआ था। बाढ़ का पानी तेज़ी से उस पत्थर की तरफ बढ़ रहा था। शेरू बहुत डरा हुआ था और मदद के लिए रो रहा था।

राजू के पिता ने भी खिड़की से बाहर देखा और बोले, 'अरे बाप रे! नदी का बहाव बहुत तेज़ है। उस पिल्ले का बचना नामुमकिन है। बाहर जाना बहुत खतरनाक है।'

यह सुनकर राजू का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसका प्यारा दोस्त शेरू मौत के मुँह में था!

राजू को बहुत डर लग रहा था। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। बिजली कड़क रही थी, जिससे उसका डर और भी बढ़ रहा था। लेकिन जब उसने शेरू की रोती हुई मासूम आँखें देखीं, तो उसे लगा कि अगर वह नहीं गया तो शेरू डूब जाएगा।

राजू ने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। आज उसे अपने डर से ज्यादा शेरू की फिक्र हो रही थी। यही वह पल था जब राजू के अंदर हिम्मत जागी। बिना किसी को बताए, राजू ने अपनी चमकीली पीली रेनकोट (ऋ्रुद्बद्दुष्श्ड्डह्ल) पहनी। उसने घर के आंगन से एक लंबी और मज़बूत लकड़ी उठाई और दरवाज़ा खोलकर तूफानी बारिश में बाहर निकल गया।

'राजू! बेटा, वापस आओ! यह खतरनाक है!' राजू के माता-पिता घबरा कर चिल्लाए। लेकिन राजू तब तक नदी के किनारे पहुँच चुका था।

नदी का पानी बहुत ठंडा था और बहाव तेज़ था। राजू ने एक कदम पानी में रखा। पानी उसके घुटनों तक आ रहा था। उसे लगा कि वह बह जाएगा, लेकिन उसने अपनी लकड़ी को ज़मीन पर ज़ोर से टिकाया। 'डरो मत शेरू! मैं आ रहा हूँ!' राजू ने तेज़ हवाओं के बीच चिल्लाकर कहा।

राजू धीरे-धीरे, एक-एक कदम सावधानी से बढ़ाते हुए उस पत्थर की तरफ जाने लगा जहाँ शेरू फँसा था। पानी की लहरें राजू को पीछे धकेल रही थीं, लेकिन उसने हार नहीं मानी। कड़कती बिजली भी अब उसे डरा नहीं पा रही थी।

आखिरकार, राजू उस पत्थर तक पहुँच गया। उसने शेरू को उठाया और अपने रेनकोट के अंदर, अपने सीने से लगा लिया। शेरू ने राजू का चेहरा चाटना शुरू कर दिया। राजू को अब वापस लौटना था। वापसी का सफर और भी मुश्किल था क्योंकि उसके एक हाथ में शेरू था। लेकिन राजू की हिम्मत अब दोगुनी हो चुकी

थी।

पूरे ज़ोर और सावधानी के साथ, राजू नदी से बाहर आ गया।

जब राजू शेरू को लेकर घर पहुँचा, तो उसके माता-पिता दौड़कर आए और उसे गले लगा लिया। वे रो रहे थे और साथ ही बहुत गर्व भी महसूस कर रहे थे। बारिश रुकने के बाद, यह खबर पूरे गाँव में फैल गई कि डरपोक राजू ने तूफानी नदी में जाकर एक पिल्ले की जान बचाई है।

गाँव के लोग राजू के घर आए। जो बच्चे कल तक राजू को 'डरपोक' कहकर चिढ़ाते थे, वे आज हैरान थे। गाँव के सरपंच ने राजू की पीठ थपथपाई और कहा, 'शाबाश बेटा! तुमने आज जो किया है, वह हर कोई नहीं कर सकता। तुमने साबित कर दिया कि असली हिम्मत शरीर की ताकत में नहीं, बल्कि दिल की अच्छाई और इरादों में होती है।'

उस दिन के बाद से, शांतिपुर गाँव में किसी ने भी राजू को डरपोक नहीं कहा। राजू का भी अपने अंदर का सारा डर हमेशा के लिए खत्म हो गया था। शेरू अब राजू के साथ ही उसके घर में रहने लगा था। राजू ने समझ लिया था कि डर लगना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन डर के आगे हार मान लेना बुरी बात है। अगर हम अपने मन में ठान लें और थोड़ी सी हिम्मत दिखाएं, तो हम किसी भी बड़ी से बड़ी मुसीबत का सामना कर सकते हैं।

प्यारे बच्चों, लोटपोट की इस कहानी से हमें यही सीख मिलती है कि डर के आगे ही असली जीत है!

सीख

डर पर काबू पाना : असली हिम्मत कभी न डरने में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने के बावजूद सही काम करने में है।

दूसरों की मदद : जब हम किसी कमज़ोर या जरूरतमंद की मदद करने का फैसला करते हैं, तो हमारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाती है।

खुद पर विश्वास : हमें कभी भी खुद को कमज़ोर नहीं समझना चाहिए। मुसीबत के समय हमारे अंदर छिपी हुई ताकत ही हमारा सबसे बड़ा हथियार होती है।

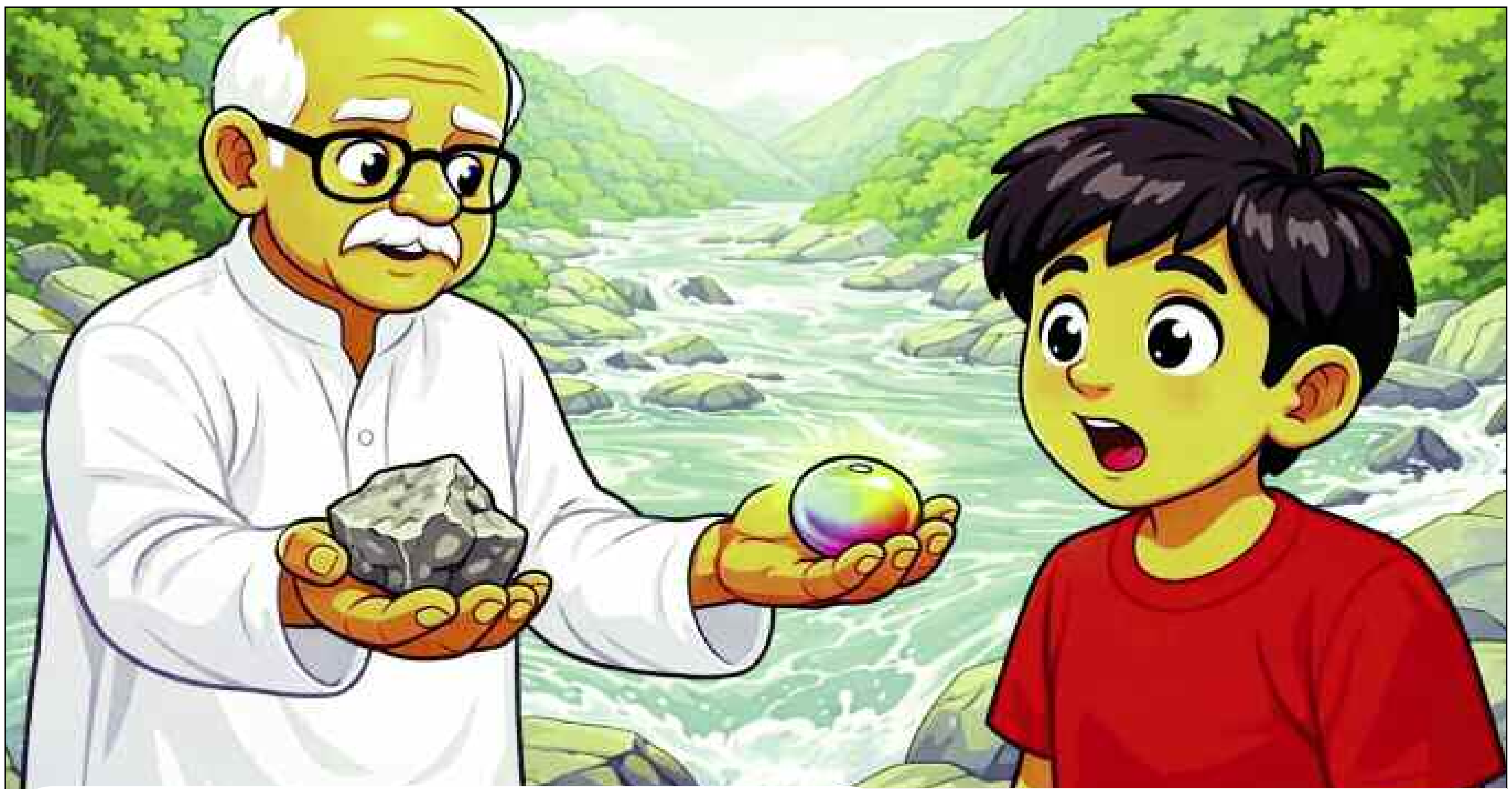

नुकीले पत्थर से सीख

रवि और दादाजी की प्रेरणादायक कहानी

भारत के एक बहुत ही सुंदर और शांत शहर 'देहरादून' में एक 12 साल का लड़का रहता था, जिसका नाम था 'रवि'। रवि पढ़ाई में बहुत होशियार था और उसके अंदर एक जन्मजात टैलेंट था-वह बहुत शानदार चित्रकला करता था। उसके द्वारा बनाए गए चित्र एकदम असली लगते थे। लेकिन, रवि के अंदर एक बहुत बड़ी कमी थी। वह स्वभाव से बहुत कामचोर था और थोड़ी सी मेहनत या कठिनाई आने पर तुरंत हार मान लेता था।

प्रकृति में हर चीज़, चाहे वह एक छोटा सा पौधा हो या एक कठोर पत्थर , हमें जीवन की कोई न कोई बड़ी सीख ज़रूर देती है। रवि को भी जल्द ही एक नुकीले पत्थर से सीख मिलने वाली थी, जो उसकी ज़िंदगी को हमेशा के लिए बदलने वाली थी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता और रवि की हार

एक दिन रवि के स्कूल में घोषणा हुई कि अगले महीने पूरे राज्य स्तर की 'राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता' होने वाली है। स्कूल के प्रिंसिपल सर ने रवि को बुलाया और कहा, 'रवि, तुम्हारी कला बहुत बेहतरीन है। इस साल हमारे स्कूल की तरफ से तुम इस प्रतियोगिता में हिस्सा लोगे। लेकिन याद रखना, इसके लिए तुम्हें रोज़ कम से कम चार घंटे अभ्यास करना होगा।'

रवि शुरुआत में बहुत खुश हुआ। उसने घर आकर नए रंग और ब्रश निकाले और पेंटिंग बनानी शुरू की। लेकिन दो-तीन दिन बाद ही उसका उत्साह खत्म होने लगा। लगातार बैठकर पेंटिंग करने से उसकी कमर में दर्द होने लगा और उंगलियां सुन्न हो गईं।

'मुझसे यह सब नहीं होगा! इतना दर्द कौन सहेगा? मैं तो वैसे भी अच्छा चित्र बनाता हूँ, मुझे इस अभ्यास की क्या ज़रूरत है?' यह सोचकर रवि ने अपने रंग और ब्रश मेज पर फेंक दिए और बिस्तर पर लेटकर मोबाइल देखने लगा।

रवि के दादाजी, 'रामनाथ जी', घर के एक बहुत ही समझदार और अनुभवी व्यक्ति थे। वे कई सालों तक में काम कर चुके थे और उन्हें पता था कि बिना अनुशासन और मेहनत के कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

जब दादाजी ने देखा कि रवि ने प्रतियोगिता की तैयारी छोड़ दी है और वह मुश्किलों से भाग रहा है, तो उन्हें बहुत चिंता हुई। वे जानते थे कि अगर रवि को सही समय पर नहीं समझाया गया, तो उसका सारा टैलेंट (Talent) बर्बाद हो जाएगा।

अगले दिन रविवार था। दादाजी सुबह-सुबह रवि के कमरे में आए और बोले, 'रवि बेटा, उठो! आज हम दोनों शहर के बाहर 'नीलधारा' नदी के किनारे एक छोटी सी ट्रैकिंग (पहाड़ी सैर) पर जाएंगे।'

रवि ने मुँह बनाते हुए कहा, 'दादाजी, मुझे नहीं जाना। वहाँ बहुत चलना पड़ेगा और मेरे पैरों में दर्द हो जाएगा।' लेकिन दादाजी ने उसकी एक न सुनी। वे उसे लगभग ज़बरदस्ती अपने साथ लेकर निकल पड़े।

नीलधारा नदी शहर से कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी इलाके में बहती थी। वहाँ पहुँचने का रास्ता बहुत ही कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और कंटीला था। रवि पूरे रास्ते शिकायत करता रहा। 'दादाजी, कितनी धूप है! रास्ता कितना खराब है! हम यहाँ क्यों आए हैं?'

दादाजी बस मुस्कुराते रहे और अपनी छड़ी के सहारे आगे बढ़ते रहे। अचानक, नदी के किनारे पहुँचने से थोड़ा पहले, रवि का पैर एक बहुत ही तीखे और खुरदरे पत्थर पर पड़ा। पत्थर इतना नुकीला था कि वह रवि के जूतों के सोल (स्थ्द्य) को पार करता हुआ उसके पैर में हल्का सा चुभ गया।

'आउच! मम्मा!' रवि दर्द के मारे ज़ोर से चिल्लाया। उसने गुस्से में उस पत्थर को उठाया और दूर फेंकने लगा। 'यह कितना गंदा और नुकीला पत्थर है! इसने मेरे पैर में चोट लगा दी। इसे तो यहाँ होना ही नहीं चाहिए!'

दादाजी ने रवि का हाथ पकड़ लिया। उन्होंने वह नुकीला पत्थर रवि के हाथ से लिया और कहा, 'रुको बेटा! इस पत्थर को फेंको मत। आज तुम्हें इस नुकीले पत्थर से सीख लेनी है। इसे अपने पास रखो और चलो, अब नदी आ गई है।'

दोनों नीलधारा नदी के किनारे पहुँचे। नदी का पानी बहुत ही साफ, ठंडा और तेज़ी से बहने वाला था। पानी के बहाव की आवाज़ से मन को बहुत शांति मिल रही थी।

दादाजी ने रवि से कहा, 'बेटा, तुम्हारे हाथ में जो पत्थर है, वह बहुत ही भद्दा और नुकीला है। अब ज़रा इस नदी के पानी के अंदर हाथ डालो और जो सबसे सुंदर, चिकना और गोल पत्थर (Pebble) तुम्हें मिले, उसे बाहर निकालो।'

रवि ने अपने जूते उतारे और नदी के ठंडे पानी में गया। नदी का तल (ब्ड्डह्यद्ग) अनगिनत छोटे-बड़े, रंग-बिरंगे और बेहद चिकने पत्थरों से भरा हुआ था। रवि ने एक बहुत ही सुंदर, बिल्कुल गोल और चमकता हुआ 'सफ़ेद पत्थर' पानी से बाहर निकाला। वह पत्थर इतना चिकना था कि उसे हाथ में पकड़ने पर बहुत अच्छा लग रहा था।

'दादाजी, देखिए! यह पत्थर कितना सुंदर और चिकना है। मैं इसे अपने घर ले जाकर अपनी मेज पर सजाऊंगा,' रवि ने खुशी से कहा।

दादाजी ने एक पास के बड़े से पत्थर पर बैठते हुए रवि को अपने पास बुलाया। उन्होंने रवि के एक हाथ में वह 'नुकीला और भद्दा पत्थर' रखा और दूसरे हाथ में वह 'चिकना और सुंदर पत्थर' रखा।

दादाजी ने गंभीर और शांत स्वर में कहा, 'रवि बेटा, क्या तुम जानते हो कि

ये दोनों पत्थर एक ही पहाड़ से टूटकर नीचे गिरे थे? सालों पहले ये दोनों बिल्कुल एक जैसे ही खुरदरे और नुकीले थे।'

रवि ने हैरानी से पूछा, 'तो फिर यह दूसरा पत्थर इतना गोल और सुंदर कैसे बन गया, दादाजी?'

यही वह पल था जहाँ इस कहानी की सबसे बड़ी नुकीले पत्थर से सीख छिपी थी। दादाजी ने मुस्कुराते हुए समझाया, 'बेटा, तुम्हारे दाहिने हाथ में जो नुकीला पत्थर है, वह पहाड़ से टूटकर नदी के बाहर सूखे किनारे पर गिर गया। उसने नदी के तेज़ बहाव से डरकर पानी में जाने से इंकार कर दिया। वह अपनी जगह पर आराम से पड़ा रहा। उसे कोई दर्द नहीं सहना पड़ा, किसी तेज़ धारा का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन इसका नतीजा क्या हुआ? आज वह वैसा का वैसा ही नुकीला, खुरदरा और भद्दा है। लोग उसे देखकर गुस्सा करते हैं क्योंकि वह पैरों में चुभता है।'

दादाजी ने फिर उस सुंदर पत्थर की तरफ इशारा किया और कहा, 'लेकिन इस दूसरे पत्थर ने आराम नहीं चुना। यह पहाड़ से सीधा इस नदी के तेज़ और खतरनाक बहाव में कूद गया। सालों तक यह पानी के थपेड़े सहता रहा। यह कभी दूसरे पत्थरों से टकराया, तो कभी ज़मीन पर रगड़ाया। इसे बहुत दर्द हुआ होगा, यह बहुत घिसा होगा। लेकिन उस 'घिसने' और 'कठिनाइयों को सहने' का नतीजा क्या हुआ? आज यह पत्थर एकदम गोल, चिकना और इतना सुंदर बन गया है कि तुम इसे अपने घर में सजाना चाहते हो।'

दादाजी की बातें रवि के दिल में किसी तीर की तरह जाकर लगीं। उसे अचानक अपनी और उस पेंटिंग प्रतियोगिता की याद आ गई।

दादाजी ने रवि के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'बेटा, इंसान का जीवन भी बिल्कुल इन पत्थरों की तरह होता है। अगर तुम मेहनत से डरोगे, अपनी कमर के दर्द और उंगलियों की थकान से भागोगे, तो तुम जीवन भर उस नुकीले पत्थर की तरह ही रह जाओगे—एकदम साधारण, जिससे कोई प्यार नहीं करता। लेकिन अगर तुम 'सफलता की नदी' में कूदकर मेहनत की रगड़ सहोगे, अभ्यास का दर्द बर्दाश्त करोगे, तो एक दिन तुम इस 'गोल पत्थर' की तरह चमकोगे, जिसे पूरी दुनिया सम्मान देगी।'

रवि की आँखों से अज्ञानता का पर्दा हट चुका था। उसने उन दोनों पत्थरों को अपनी जेब में रख लिया। 'मुझे माफ़ कर दीजिए दादाजी,' रवि ने नम आँखों से कहा। 'मुझे आपकी नुकीले पत्थर से सीख पूरी तरह समझ आ गई है। मैं अब अपनी मेहनत से पीछे नहीं हटूंगा। दर्द चाहे जितना भी हो, मैं अभ्यास करूँगा और उस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।' अगले दिन से रवि का रूटीन पूरी तरह बदल गया। उसने मोबाइल फोन एक तरफ रख दिया। वह रोज़ स्कूल से आकर लगातार पाँच घंटे अपनी पेंटिंग का अभ्यास करता। उसकी उंगलियों में दर्द होता, उसकी आँखें थक जातीं, लेकिन वह रुकता नहीं था। जब भी उसका मन हार मानने को करता, वह अपनी मेज पर रखे उस 'चिकने पत्थर' को देख लेता और उसे दादाजी की बात याद आ जाती।

एक महीने बाद प्रतियोगिता का दिन आया। रवि ने वहां एक बहुत ही शानदार और जीवंत पेंटिंग बनाई। जब प्रतियोगिता का परिणाम (ऋद्गह्यह्वद्यह्ल) घोषित हुआ, तो पूरे राज्य में रवि को 'प्रथम पुरस्कार' मिला!

मंच पर जब रवि को गोल्ड मेडल और ट्रॉफी दी जा रही थी, तो उसने दर्शकों में बैठे अपने दादाजी की तरफ देखा और मुस्कुरा दिया। उसे पता था कि यह मेडल उसकी कला का नहीं, बल्कि उस 'रगड़' और 'मेहनत' का है जो उसने पिछले एक महीने में सही थी।

बच्चों, लोटपोट की ये हिंदी कहानियां हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण सच्चाई से रूबरू कराती हैं। बिना दर्द सहे, कोई भी महान नहीं बन सकता।

सीख

मेहनत और संघर्ष : सफलता पाने के लिए हमें मेहनत की आग में तपना ही पड़ता है। बिना संघर्ष और कठिनाइयों का सामना किए कोई भी इंसान महान नहीं बन सकता।

आराम का लालच : जो लोग आराम का रास्ता चुनते हैं और मेहनत से भागते हैं, वे जीवन में कभी भी निखर नहीं पाते और पीछे रह जाते हैं (नुकीले पत्थर की तरह)।

दर्द ही दवा है : अभ्यास करते समय होने वाला दर्द असल में हमारी कमियों को दूर कर रहा होता है, इसलिए उससे घबराने के बजाय उसका डटकर सामना करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता, सहयोग को और बढ़ाने पर बनी सहमति

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों ने अपने देशों के बीच सहयोग और आदान-प्रदान को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों विदेश मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की, दोनों देशों के सरकारी मीडिया आउटलेट्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी चीन के विदेश मंत्री वांग यी सात साल में पहली बार उत्तर कोरिया की यात्रा पर गुरुवार को प्योंगयांग के लिए रवाना हुए। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि वांग और उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन हुई ने अपनी मुलाकात में मौजूदा अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वे मुद्दे क्या थे।

आव्रजन बोर्ड ने खारिज की फलस्तीनी एक्टिविस्ट महमूद खलील की अपील, निर्वासन की ओर बड़ा कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक आव्रजन अपील बोर्ड ने महमूद खलील की निर्वासन मामले को खारिज करने की नवीनतम याचिका को अस्वीकार कर दिया है। यह एक ऐसा फैसला है जिसकी काफी हद तक उम्मीद थी और जो कोलंबिया विश्वविद्यालय के पूर्व स्नातक छात्र और फलस्तीनी कार्यकर्ता को पुनः गिरफ्तारी और संभावित निष्कासन के एक कदम और करीब ले आता। खलील के वकीलों के अनुसार, आव्रजन अपील बोर्ड ने गुरुवार को निष्कासन का अंतिम आदेश जारी किया। बोर्ड के फैसले सार्वजनिक नहीं हैं और अमेरिकी न्याय विभाग से इस संबंध में की गई पूछताछ का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।

कैलिफोर्निया : बेदखली का नोटिस देते समय शेरिफ के एक डिप्टी की हत्या

सैकरामेंटो, एजेंसी। बेदखली का नोटिस तामील कर रहे पुलिस अधिकारी की एक व्यक्ति ने मध्य कैलिफोर्निया में गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वाला पुलिस अधिकारी एक शेरिफ का डिप्टी था। वहीं, घंटों तक चले गतिरोध के बाद अधिकारियों ने उस शख्स को मार गिराया। तुलारे काउंटी के डिप्टी पोर्टरविले में एक घर में बेदखली का नोटिस देने गए थे, तभी एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी, शेरिफ विभाग ने फेसबुक पर यह जानकारी दी। वह व्यक्ति कई घंटों तक राइफल लेकर घर के अंदर छिपा रहा। एक समय ऐसा भी आया जब उस व्यक्ति द्वारा पुलिसकर्मियों पर लगातार गोलीबारी करने पर अधिकारियों ने घर में गैस छोड़ी।

संयुक्त राष्ट्र की समिति में तीन साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से चुनी गईं राजदूत प्रीति सरन

वाशिंगटन, एजेंसी। अनुभवी राजनयिक प्रीति सरन को जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के माध्यम से इस संस्था का नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए 2027 से शुरू होने वाले तीन साल के नए कार्यकाल के लिए प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) में फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में सीईएससीआर के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जो संयुक्त राष्ट्र की वह संस्था है जो इस बात की निगरानी के लिए जिम्मेदार है कि सदस्य देश आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों को कैसे लागू करते हैं। सीईएससीआर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

एरिजोना के छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना, दो की मौत

फीनिक्स, एजेंसी। एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। माराना के मेयर जॉन पोस्ट ने बताया कि विमान हवाई पट्टी से बाहर चला गया और उसमें आग लग गई। शहर के प्रवक्ता विक हॅथवे ने कहा, विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई। उनकी पहचान नहीं हुई है। माराना पुलिस विभाग ने बताया कि दुर्घटना में कोई अन्य चोटिल नहीं हुआ। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है।

सूडान के दारफुर में शादी समारोह में ड्रोन हमला, 30 लोगों की मौत

दारफुर , एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र के एक कस्बे में शादी समारोह पर हुए ड्रोन हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 30 नागरिकों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि यह हमला उत्तर दारफुर के कुतुम कस्बे में आयोजित एक विवाह समारोह को निशाना बनाकर किया गया। यह हमला सूडानी सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान ड्रोन हमलों में आई तेजी के बीच हुआ है।

नेतन्याहू की धमकी से बैकफुट पर पाकिस्तान, इजरायल विरोधी पोस्ट डिलीट कर भागे ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को इस्लामाबाद में होने वाली ऐतिहासिक शांति वार्ता से ठीक पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इजरायल के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणियों ने न केवल दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है, बल्कि इस महत्वपूर्ण वार्ता में पाकिस्तान की तटस्थ मध्यस्थ वाली छवि पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। इजरायल ने पाकिस्तान की भूमिका पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे असहनीय करार दिया है। इसके बाद रक्षा मंत्री को अपना पोस्ट डिलीट करना पड़ गया है। विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजरायल को मानवता के लिए अभिशाप और कैंसर बताते हुए लेबनान में नरसंहार करने का आरोप लगाया। हालांकि, इजरायल की फटकार के बाद उन्होंने यह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक कूटनीतिक नुकसान हो चुका था।

नेतन्याहू ने हड़काया : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने आसिफ के बयानों को अपमानजनक बताया। इजरायल ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान खुद को शांति प्रयासों में एक तटस्थ खिलाड़ी के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी तरफ इजरायल के खिलाफ बोल रहा है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इसे भयानक यहूदी विरोधी रक्तपात करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल उन आतंकवादियों के खिलाफ अपनी रक्षा करना जारी रखेगा जो उसके विनाश की कसम खाते हैं।

दांव पर लगी पाकिस्तान की मध्यस्थता : यह विवाद ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने के लिए मेजबानी कर रहा है। पाकिस्तान को इस युद्धविराम का श्रेय दिया जा रहा था, लेकिन इस ताजा विवाद ने उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठा दिए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी इजरायली हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान से मदद मांगी थी, जिससे पाकिस्तान की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई थी। एक तरफ कूटनीतिक विवाद है, तो दूसरी तरफ जमीन पर युद्धविराम की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। वार्ता से महज 24 घंटे पहले अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में दरारें दिखने लगी हैं। वाशिंगटन ने तेहरान पर आरोप लगाया है कि वह हॉर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही को सुगम बनाने के अपने वादे को पूरा नहीं कर रहा है। युद्धविराम के पहले 24 घंटों में इस मार्ग से केवल एक तेल टैंकर और पांच मालवाहक जहाज गुजरे, जबकि सामान्य तौर पर यहां से रोजाना 140 जहाज गुजरते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान की आलोचना करते हुए कहा कि वह समझौते का पालन करने में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा, 'यह वह समझौता नहीं है जो हमने किया था!' आपको बता दें कि इस्लामाबाद में होने वाली इस बैठक में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होने वाला है, लेकिन इजरायल और पाकिस्तान के बीच छिड़ी इस जुबानी जंग ने माहौल को विषाक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि इजरायल के विनाश की बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। पीएम नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को खत्म करने का आह्वान बहुत बुरा है। यह ऐसा बयान नहीं है जिसे किसी भी सरकार से बर्दाश्त किया जा सके, खासकर उस सरकार से जो शांति के लिए न्यूट्रल आर्बिटर होने का दावा करती है।' दरअसल, पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'इजरायल बुरा है और इंसानियत के लिए श्राप है। इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, लेबनान में नरसंहार हो रहा है। इजरायल बेगुनाह नागरिकों को मार रहा है, पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान, खून-खराबा लगातार जारी है।'

इजरायल के खिलाफ आग उगलते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मैं उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि जिन लोगों ने फिलिस्तीनी धरती पर इस कैंसर जैसे राज्य का निर्माण किया है, वे यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाएं और उन्हें नरक में जलाएं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीते दिन इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि इजरायल के हमले के बाद लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से फोन पर बातचीत की। पीएम शहबाज ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आज शाम लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से बात की। मैंने लेबनान के खिलाफ इजरायल के लगातार हमले की कड़ी निंदा की और इन दुश्मनी की वजह से लेबनान में हजारों लोगों की जान जाने पर दुख जताया।

नाइजीरिया में सैन्य ठिकाने पर आतंकी हमला, ब्रिगेडियर जनरल समेत कई सैनिकों की मौत

अबूजा , एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में गुरुवार तड़के हुए एक आतंकी हमले में नाइजीरियाई सेना के ब्रिगेडियर जनरल सहित कई सैनिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों के सेना के ठिकाने पर हमला किया। नाइजीरियाई सेना ने कहा है कि हमले को सेना ने विफल कर दिया, लेकिन इस दौरान कई सैनिक मारे गए हैं। नाइजीरिया ने अभी तक मृतकों का सही आंकड़ा जारी नहीं किया है। सेना के प्रवक्ता माइकल ओनोजा ने एक बयान में कहा कि हमला बोर्नो राज्य के बेनिशेख इलाके में हुआ। उन्होंने हमलावरों को आतंकवादी बताया। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर में इस्लामी उग्रवादी संगठनों के लिए सेना द्वारा आतंकी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। स्थानीय प्रशासन के अध्यक्ष जन्ना लावन अजीमी ने सोशल मीडिया पर घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि 'एक साहसी और समर्पित अधिकारी, 29 टास्क फोर्स ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल ओ. ओ. ब्राइमा सहित अन्य वीर जवानों की शहादत अत्यंत पीड़ादायक है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना के प्रवक्ता ओनोजा ने पुष्टि की कि ब्रिगेडियर जनरल ओसेनी ब्राइमाह इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। अफ्रीका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया लंबे समय से गंभीर

सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है, विशेषकर उत्तरी क्षेत्र में, जहां एक दशक से अधिक समय से उग्रवाद और अपहरण की घटनाएं जारी हैं। देश में सक्रिय प्रमुख इस्लामी उग्रवादी संगठनों में बोको हराम और उससे अलग हुआ गुट 'इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस' शामिल हैं, जो इस्लामिक स्टेट से संबद्ध है। इसके अलावा, नाइजर सीमा से सटे उत्तर-पश्चिमी इलाकों में आईएस से जुड़ा लाकुरावा समूह भी सक्रिय है।

हाल के समय में यह संकट और गहराया है, जिसमें साहेल क्षेत्र के अन्य उग्रवादी संगठन भी शामिल हो गए हैं। इनमें 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' भी शामिल है, जिसने पिछले वर्ष नाइजीरिया में अपना पहला हमला किया था। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका ने नाइजीरिया की सेना की मदद के लिए 200 सैनिकों और ड्रोन तैनात किए। हालांकि, अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि उसके सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और न ही किसी अभियान का नेतृत्व करेंगे, जबकि पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र में आर्थिक-सामाजिक परिषद के अहम निकायों में भारत हुआ निर्वाचित

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक 'आर्थिक और सामाजिक परिषद' (ईसीओएसओसी) के विभिन्न सहायक निकायों में भारत को चुना गया है। संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थायी मिशन ने बुधवार को बताया कि भारत को ईसीओएसओसी के जिन निकायों में 2027 से 2030 की अवधि के लिए चुना गया है उनमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास आयोग, गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति (सीपीसी) शामिल हैं। भारतीय राजदूत प्रीति सरन को फिर से आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (सीईएससीआर, 2027-2030) के लिए चुना गया। इन पर वैश्विक मामलों की जिम्मेदारी होगी। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की समिति ईसीओएसओसी की एक स्थायी समिति है। इसके मुख्य कार्यों में विभिन्न एनजीओ द्वारा प्रस्तुत सलाहकार दर्जे के लिए आवेदनों और पुनर्वर्गीकरण के अनुरोधों पर विचार करना शामिल है। सीपीसी योजना, कार्यक्रम निर्माण और समन्वय के लिए ईसीओएसओसी तथा महासभा की प्रमुख सहायक निकाय है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, यह संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों की समीक्षा करती है और संयुक्त राष्ट्र की प्रणालियों के अंतर्गत समन्वय कार्यों के निष्पादन में ईसीओएसओसी की सहायता करती है।

नासा का ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मिशन बड़ी उपलब्धि के बाद पृथ्वी पर लौटने के करीब

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की है। शुक्रवार को नासा ने बताया कि उसका आर्टेमिस-2 मिशन 1 अप्रैल को सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ था और अब अपनी ऐतिहासिक यात्रा के अंतिम चरण में पहुंच गया है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के चारों ओर घूम चुका है और अब पृथ्वी पर लौट रहा है। इसकी समुद्र में लैंडिंग (स्प्लैशडाउन) 10 अप्रैल को रात करीब 8:07 बजे (ईटी) प्रशांत महासागर में होने की उम्मीद है। नासा ने अपने संदेश में कहा कि वे अंतरिक्ष यात्रियों का फिर से पृथ्वी पर स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। यह मिशन पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह

पांच दशकों से भी ज़्यादा समय के बाद, पृथ्वी की निचली कक्षा से परे गहरे अंतरिक्ष की खोज में मानवता की वापसी का प्रतीक है। नासा के अनुसार, इस मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों ने अब तक की सबसे लंबी दूरी तय की है, जो भविष्य में चंद्रमा पर जाने वाले अभियानों के लिए रास्ता तैयार करेगा। मिशन के दौरान पहले, चार सदस्यों वाले दल ने पृथ्वी से 248,655 मील की यात्रा करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दल में रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल रहे। अपनी यात्रा के सबसे दूर के बिंदु पर वे लगभग 252,756 मील तक पहुंचे। यह उपलब्धि पहले अपोलो-13 मिशन के रिकॉर्ड से भी आगे निकल गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह 10 दिन का मिशन स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की गहरे अंतरिक्ष में क्षमता को परखने के लिए बनाया गया है। इसमें चंद्रमा के पास से गुजरना भी शामिल था, जो भविष्य के मिशनों के लिए बहुत जरूरी कदम है। नासा की अधिकारी डॉ. लोरी ग्लेज ने कहा कि यह सफलता दिखाती है कि एजेंसी लगातार नई सीमाओं को पार करने और अंतरिक्ष में नई खोज करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओरियन अंतरिक्ष यान से जेरेमी हैनसन ने कहा कि यह उपलब्धि पुराने अंतरिक्ष यात्रियों की विरासत को सम्मान देती है और साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए दौर की शुरुआत भी करती है। आर्टेमिस-2 मिशन को नासा के उस बड़े लक्ष्य की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लंबे समय तक इंसानों की मौजूदगी स्थापित करना शामिल है।

ताइवान की विपक्षी नेता से मिले शी जिनपिंग, ट्रंप के चीन दौरे से पहले बढ़ी कूटनीतिक हलचल

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान संबंधों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को बीजिंग में ताइवान की विपक्षी नेता चेंग ली-वुन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अगले महीने डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा प्रस्तावित है।

एक दशक के बाद केएमटी ने चीन का दौरा किया : चेंग ली-वुन, ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग (केएमटी) की पहली अध्यक्ष हैं, जिन्होंने एक दशक में पहली बार पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा किया है। उनका यह दौरा एक सप्ताह का है और इसे दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और वन चाइना नीति के तहत उसके पुनर्एकीकरण पर जोर देता रहा है। वहीं ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) चीन के इस रुख का कड़ा विरोध करती है और ताइवान की अलग पहचान बनाए रखने की पक्षधर है। इसके विपरीत केएमटी चीन के साथ करीबी संबंधों की वकालत करती रही है, जिससे यह मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजिंग रवाना होने से पहले चेंग ने अपने दौरे को शांति की यात्रा बताया और कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, जहां स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों को संवाद और सहयोग के जरिए मतभेद सुलझाने चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ताइवान को करीब 11 अरब डॉलर का बड़ा रक्षा पैकेज देने की योजना बना रहा है। इस पैकेज में एच आईएमआरएस रॉकेट सिस्टम, एंटी-टैंक मिसाइल, ड्रोन, होवित्जर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। चीन ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। वहीं ताइवान की संसद में इस रक्षा बजट को लेकर गतिरोध बना हुआ है, क्योंकि विपक्षी दलों के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल पाई है। इसी बीच हाल ही में अमेरिका का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ताइपेई पहुंचा और संसद से रक्षा बजट पारित करने की अपील की। विशेषज्ञों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप की 14-15 मई को प्रस्तावित चीन यात्रा के दौरान ताइवान का मुद्दा प्रमुख रूप से चर्चा में रहेगा। ऐसे में शी-चेंग की यह मुलाकात न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से अहम है, बल्कि इसका असर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति पर भी पड़ सकता है।

पाकिस्तान : मरदान खदान हादसे में नौ मजदूरों की मौत, सुरक्षा की गंभीर कमी उजागर: रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मरदान इलाके में हाल ही में एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की मौत हुई। यह घटना प्रणालीगत लापरवाही को दिखाती है। पाकिस्तान में खनन उद्योग सबसे असुरक्षित, खतरनाक और उपेक्षित क्षेत्रों में से एक है। सुरक्षा नियमों की कमी और पर्याप्त प्रक्रियाओं के न होने की वजह से मजदूर खदानों में फंस जाते हैं या खदान गिरने और विस्फोट जैसी घटनाओं में मर जाते हैं, एक रिपोर्ट में कहा गया है। प्रमुख दैनिक अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की संपादकीय में लिखा गया, 'खैबर पख्तूनख्वा के मरदान क्षेत्र ने एक और दुखद घटना देखी है, जिसमें एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की जान चली गई। खनन उद्योग में, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बावजूद, पूरी तरह से दुर्घटनाओं से बचना मुश्किल है। लेकिन सुरक्षा तकनीक के लिए पर्याप्त पैसा न होना और मौजूदा कानूनों का सही तरीके से पालन न होना, पाकिस्तान में खदान हादसों की संभावना बहुत बढ़ा देता है।'

खनन क्षेत्र को खदान सुरक्षा, निरीक्षण और नियमों को बढ़ाने वाले दो कानूनों के तहत सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। लेकिन इन कानूनों को लागू करने के बावजूद कोई असर नहीं दिखता। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने लिखा गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले खदान मजदूर अक्सर बिना प्रशिक्षण, बिना समर्थन और कम वेतन पर काम करते हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों को मजदूरों को अच्छी ट्रेनिंग, बेहतरीन उपकरण, आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच और सुरक्षा मानकों की जानकारी प्रदान करनी चाहिए। पिछले दिसंबर में कोयले की एक खदान में भूस्खलन के कारण दो मजदूरों की मौत हुई थी। यह हादसा क़्वेटा के बाहरी इलाके सोरांज में हुआ था। बलोचिस्तान के मुख्य खदान निरीक्षक रफिउल्लाह ने बताया कि मजदूर खदान में थे जब बड़ी मात्रा में मिट्टी गिर गई और उन्हें मलबे में दबा दिया गया। यह जानकारी पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट में दी गई। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में बलोचिस्तान के डुकी और चामलांग क्षेत्रों में दो अलग-अलग घटनाओं में चार कोयला मजदूरों की मौत हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक अफ़ग़ानिस्तान के निवासी थे।

भारत-अमेरिका संबंध हुए मजबूत, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एफबीआई चीफ काश पटेल से मुलाकात की

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत और अमेरिका ने अपने रणनीतिक जुड़ाव को बढ़ाया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ एक अहम मीटिंग की। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल समेत सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य मुद्दा रक्षा, आतंकवाद का विरोध और क्षेत्रीय सुरक्षा रहा। भारतीय दूतावास ने कहा कि अपने मौजूदा दौरे के दौरान मिसरी ने आज विदेश सचिव मार्को रुबियो से मुलाकात की और आगे कहा, 'हम इन जरूरी क्षेत्रों में अपने जुड़ाव को और गहरा करने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए और भी बहुत कुछ करने की उम्मीद करते हैं।' भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बातचीत को एक प्रोडक्टिव मीटिंग बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे द्विपक्षीय संबंध, खासकर व्यापार, जरूरी मिनरल्स, रक्षा और क्वाड पर केंद्रित थी। गोर ने कहा, 'विदेश सचिव रुबियो अगले महीने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं!' यह एक संभावित उच्च स्तरीय दौरे का संकेत देता है। मिसरी और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल की मुलाकात सुरक्षा पर केंद्रित थी। भारतीय दूतावास ने कहा, 'दोनों ने आतंकवाद, सुनियोजित अपराध और नारकोटिक्स से निपटने में भारत-अमेरिका के मजबूत सहयोग पर विचारों का अच्छा लेन-देन किया।' यह मीटिंग पारंपरिक रक्षा संबंधों के साथ-साथ कानून लागू करने और अंदरूनी सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग पर जोर देती है। मिसरी ने उपसचिव क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ भी बातचीत की। दूतावास ने कहा, 'उन्होंने आपसी प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार शेयर किए।' अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्य डिप्टी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि लैंडौ ने मिसरी के साथ अपनी मीटिंग में 'दोनों देशों के बीच करीबी पार्टनरशिप को फिर से सुनिश्चित किया। बयान में कहा गया, 'नेताओं ने दोनों देशों के बीच करीबी साझेदारी को फिर से सुनिश्चित किया और फारस की खाड़ी के हालात और दूसरी वैश्विक और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी साझा की। क्षेत्रीय विकास, खासकर पश्चिम एशिया में, मीटिंग्स में खास तौर पर शामिल रहे, जिसमें दोनों पक्षों ने चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच विचारों का आदान-प्रदान किया। मिसरी ने राजनीतिक मामलों के अवर सचिव एलिसन हुकर से भी मुलाकात की, जहां दोनों पक्षों ने पिछले साल दिसंबर में हुए फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन्स के बाद से भारत-अमेरिका द्विपक्षीय एजेंडे का जायजा लिया। भारतीय दूतावास ने कहा कि उन्होंने 'पश्चिम एशिया में हाल के विकास के साथ-साथ आपसी फायदे के क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने विचार शेयर किए। 'इस दौरान आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर भी फोकस रहा।

आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग के साथ बातचीत में, दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। दूतावास ने कहा, 'वे पैक्स सिलिका के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने और एआई और जरूरी मिनरल्स सहित बड़े आर्थिक और तकनीकी एंगेजमेंट पर सहमत हुए।

एक नजर

पूर्व सीएम कोश्यारी ने बीना गांव पहुंचकर व्यक्त की शोक संवेदना

चमोली। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता भगत सिंह कोश्यारी ने शनिवार को बीना गांव पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। वे अपने कार्यालय स्टाफ राजेंद्र सिंह के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने वहां पहुंचे थे। कोश्यारी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। शनिवार को पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे भगत सिंह कोश्यारी हेलिकॉप्टर से सलियाना हेलिपैड पहुंचे। यहां से कार से वह बीना गांव के लिए रवाना हुए और राजेंद्र सिंह के परिवार से मिलकर उनके परिवार को शोक सांत्वना दी। बीना गांव से लौटने के बाद कोश्यारी पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह नेगी के घर सौनियांणा गांव पहुंचे। कुशलक्षेम लेने के बाद जीएमवीएन विश्राम गृह में कोश्यारी ने कार्यकर्ताओं से औपचारिक बातचीत की और मंडुवे की रोटी के साथ ही अन्य स्थानीय उत्पादों का स्वाद लिया। अपराह्न करीब तीन बजे कोश्यारी हेलिकॉप्टर से देहरादून के लिए रवाना हुए।

जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के साथ किया सड़क का निरीक्षण

चमोली। श्रीनंदा राजजात मार्ग एवं स्टेट हाईवे थराली-देवाल-लोहाजंग सड़क के कार्य में तेजी व गुणवत्ता लाने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ निरीक्षण किया। जनप्रतिनिधियों ने लोनिवि के माध्यम से कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिए गए सुझाव के अनुसार कार्य करने की मांग की। श्रीनंदा राजजात मार्ग थराली-देवाल-लोहाजंग-वाण के 22 किमी सड़क के सुधारीकरण व हॉटमिक्स के लिए 32 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। सड़क पर कंस्ट्रक्शन कंपनी अग्रवाल ब्रदर्स ने पुश्ता व नाली बनाने का काम शुरू कर दिया है। इस मार्ग के गदेरों में स्कपर आदि कार्य को लेकर व्यापार संघ के अध्यक्ष चंद्र सिंह रावत, उपाध्यक्ष पुष्कर बिष्ट, भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश मिश्रा, पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र बिष्ट, कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रबंधक सुखराज सिंह, जेई नरेंद्र बुटोला के साथ सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान देवाल बाजार के अंतिम छोर से इच्छोली गदेरे तक पक्की नाली निर्माण, मालगाड़ गदेरे व इच्छोली गदेरे में पुलिया का निर्माण, बाजार से हिमालयन स्कूल के बीच स्कपर निर्माण, बाजार से इच्छोली तक इंटरलॉक टाइल्स लगाने पर लिखित सहमति बनी।

घोड़ा-खच्चरों के लिए चिकित्सा केंद्र स्थापित

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा में इस साल घोड़ा-खच्चरों के फिटनेस और उपचार को लेकर अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ तक सोनप्रयाग, गौरीकुंड, लिनचोली और रुद्र प्वाइंट पर पशु चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा फाटा में भी उप पशु चिकित्सालय तैयार किया गया है। अब तक करीब साढ़े पांच हजार घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण किया जा चुका है जिससे यात्रा संचालन को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आशीष रावत का कहना है कि यात्रा के दौरान इन सभी केंद्रों पर पशुओं की नियमित जांच, देखभाल और उपचार किया जाएगा तथा जरूरत पड़ने पर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अब तक करीब साढ़े पांच हजार घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण किया जा चुका है जिससे यात्रा संचालन को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।

सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखने के एसपी ने दिए निर्देश

रुद्रप्रयाग। आगामी चारधाम यात्रा के लिए पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर की अध्यक्षता में जिला मुख्यालय में व्यापार मंडल और यात्रा से जुड़े लोगों की बैठक हुई। बैठक में मुख्य बाजार की यातायात व्यवस्था, सड़क किनारे खड़े लावारिस वाहनों को हटाने और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि यात्रा के दौरान बाजार क्षेत्र में सुचारु ट्रैफिक व्यवस्था और साफ-सफाई बनाए रखना प्राथमिकता होगी। उन्होंने यातायात निरीक्षक और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को निर्देश दिए कि सड़कों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए और पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाए।

सर्वे की फाइलों में दबी हुर्री गांव की सड़क

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड का हुर्री गांव आज भी सड़क से वंचित है जिससे ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव तक सड़क निर्माण के लिए कई बार सर्वे होने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य की फाइल आगे नहीं बढ़ पाई है। इस अनदेखी से स्थानीय ग्रामीणों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लिए गर्मकुंड से लगभग चार किमी लंबी सड़क प्रस्तावित है। वर्ष 2023 में लोनिवि की ओर से पहली बार मार्ग का सर्वे कराया गया था। इसके बाद जनसंख्या वृद्धि का हवाला देते हुए प्रस्ताव को पीएमजीएसवाई को हस्तांतरित कर दिया गया जिसके बाद दोबारा सर्वे भी किया गया। इसके बावजूद परियोजना पर आगे कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी। भटवाड़ी प्रधान संगठन के अध्यक्ष व ग्राम प्रधान हुर्री रमेश सिंह नेगी ने बताया कि विभाग की ओर से फाइनल सर्वे के बाद यह कहा जा रहा है कि गांव की कच्ची पहाड़ी भू-स्थिति के कारण सड़क निर्माण कठिन है। ग्राम प्रधान के मुताबिक 10-15 दिन पहले गांव में पहुंची भू-वैज्ञानिकों की एक टीम ने स्थलीय निरीक्षण के बाद सड़क निर्माण को सुरक्षित बताया इसके बावजूद परियोजना पर कोई कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। सड़क सुविधा के अभाव में ग्रामीण आज भी जोखिम भरे और उबड़-खाबड़ पैदल रास्तों से गांव तक पहुंचने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए उन्होंने अपनी लगभग चार नाली राजस्व भूमि भी दान की है। इसके बावजूद लंबे समय से मामला लंबित पड़ा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर सड़क निर्माण शुरू कराने की मांग की है। इस संबंध में पीएमजीएसवाई के अधिकारियों से फोन पर कई बार बातचीत की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जमीनी विवाद में चलाई गोली, पिता-पुत्र गिरफ्तार

चमोली। भूमि विवाद में गोली चलाने पर पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। दोनों पक्षों में काफी समय से भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। घटना बीते 10 अप्रैल की है। नखोलियाणा गांव निवासी दिनेश ने पोखरी थाने में शिकायत दर्ज कराई कि पोखरी निवासी राजेंद्र सिंह असवाल (72) व उनके पुत्र दीपेंद्र असवाल (44) और पत्नी पार्वती देवी ने उनकी पत्नी और भाई के साथ मारपीट की। जान से मारने की धमकी और जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया। पुलिस ने मामले में पूछताछ की तो पता चला कि दोनों पक्षों में जमीन को लेकर पूर्व से विवाद चल रहा है। शुक्रवार को कहासुनी हुई और विवाद बढ़ गया। इसी दौरान राजेंद्र सिंह असवाल ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग कर दी। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट व एससीएसटी एक्ट में मामला दर्ज कर राजेंद्र सिंह असवाल और दीपेंद्र असवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें न्यायालय में पेश कर पुरसाड़ी कारागार भेज दिया गया है।

सीमित संख्या की बाध्यता हटाने से यात्रा व्यवसायियों में खुशी की लहर

उत्तरकाशी। चारधाम में यात्रियों की सीमित संख्या की बाध्यता खत्म होने के बाद यात्रा व्यवसायियों में खुशी और उत्साह है। गंगोत्री व यमुनोत्री के तीर्थपुरोहितों सहित यात्रा से जुड़े तमाम कारोबारियों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया है। उनका कहना है कि सरकार के इस निर्णय से धामों में यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा और यात्रा व पर्यटन कारोबार भी बढ़ेगा। चारधाम में यात्रियों की सीमित संख्या की बाध्यता को खत्म करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसको लेकर चारधाम में तीर्थपुरोहितों के साथ यात्रा कारोबारियों में आक्रोश था लेकिन यात्रा शुरू होने से ऐन वक्त पहले सरकार ने इस निर्णय को समाप्त कर यात्रा कारोबारियों की उम्मीदों को नए पंख लगाने का काम किया है। होटल एसोसिएशन उत्तरकाशी के अध्यक्ष शैलेंद्र मटूड़ा, सुभाष कुमांई, प्रकाश भद्री, माधव जोशी आदि होटल कारोबारियों ने शनिवार को सरकार के इस निर्णय पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि सीमित संख्या के चलते धामों में यात्री उतनी संख्या में नहीं आ पा रहे थे जितनी संख्या में उम्मीद की जाती है लेकिन अब इस बाध्यता के समाप्त होने पर निश्चित ही यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा और पर्यटन कारोबार को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अगर ऑनलाइन यात्रा पंजीकरण व्यवस्था को वर्षभर खुला रखे तो चारधाम यात्रा बेहतर रूप में संचालित हो सकती है। दूसरी ओर सरकार के सकारात्मक निर्णय से चारधाम यात्रा से जुड़े हुए यमुनोत्री के पुरोहित समाज, वाहन, होटल, मजदूर वर्ग में खुशी की लहर है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल 11वें दिन भी रही जारी

उत्तरकाशी। तीन सूत्री मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में 11वें दिन भी जारी रहा। अभी तक मांगों को लेकर सकारात्मक पहल न होने पर कार्यकर्ताओं ने विकास भवन परिसर में नारेबाजी की। वहीं नौगांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बहिष्कार से ब्लॉक के सभी 267 केंद्र बंद पड़े हैं जिनमें टेक होम राशन, कुक्कड़ फुड, पोषण आहार सहित किसी भी तरह की गतिविधियां संचालित नहीं हो रही है। विकास भवन परिसर में धरने पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संगठन की जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी नौटियाल ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लंबे समय से 18,000 प्रतिमाह मानदेय दिए जाने, सेवानिवृत्त होने पर दस लाख देने, बायोमीट्रिक से न जोड़ा जाने सहित अन्य मांग कर रहे हैं। इस मौके पर सुमित्रा देवी, किरण भंडारी, वंदना देवी, संगीता देवी, राजकुमारी, शारदा देवी, बीना भारती, रेखा देवी, प्रवीना देवी आदि मौजूद रहीं। वहीं नौगांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेविका, मिनी कर्मचारी संगठन का कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन जा रहा। वे बाल विकास परियोजना कार्यालय के समक्ष धरने पर बैठी हुई हैं। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी सुनीता अग्रवाल का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल से सभी केंद्र बंद पड़े हुए हैं जिनमें किसी भी तरह की कोई गतिविधि नहीं हो पा रही है। प्रदर्शन में संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष बामू रावत, महामंत्री कुसुम थपलियाल, सचिव शोभा नेगी, कृष्णा राणा, दर्शनी राणा, रुकमणी सेमवाल, ममता, रीना, सुमनलता, मंजू आदि उपस्थित रही।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने लगाया उपेक्षा का आरोप

कंडीसौड़। थौलधार ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मानदेय बढ़ाने की मांग पर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताई है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष रामदेई राणा ने कहा कि लगातार बढ़ रही मंहगाई में सरकार अल्प वेतनभोगियों के हितों का ध्यान नहीं रख रही है जिससे मातृ शक्ति को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार अन्य कार्मिकों को नए वेतनमान का लाभ दे रही है। बैठक में उपाध्यक्ष अंजलि देवी, कोषाध्यक्ष ममता राणा, सदस्य लक्ष्मी रावत, रोशनी राणावत, गीता चौहान, लक्ष्मी खंडूड़ी, प्रमिला भट्ट और ममता गुसाईं आदि शामिल थे।

यात्रा के वैकल्पिक मार्गों पर लगाएं साइन बोर्ड, मलबा हटाएं

चमोली। चारधाम यात्रा को लेकर जिलाधिकारी और एसपी ने वैकल्पिक मार्ग सिवाई-रानो-कालेश्वर मार्ग का संयुक्त निरीक्षण किया। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था के लिए पार्किंग, वन वे आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने यात्रा के वैकल्पिक मार्ग पर साइन बोर्ड लगाने, पैच भरने और मलबे को हटाने के निर्देश दिए। बदरीनाथ यात्रा मार्ग पर कालेश्वर और कर्णप्रयाग के बीच मार्ग ठीक नहीं है। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग सिवाई-रानों मोटर मार्ग का सुधारीकरण किया जा रहा है। शनिवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार ने निरीक्षण करते हुए लोनिवि के अधिकारियों को सड़क किनारे से मलबा हटाने, संकरे स्थानों पर चौड़ीकरण, गड्ढों को पैच वर्क से भरने, साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए मुख्य हाईवे को सही करने के लिए लगातार वार्ता की जा रही है लेकिन वैकल्पिक मार्गों का सुधारीकरण भी अतिआवश्यक है। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि यात्रा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग, वन वे की स्थिति को देखते हुए अधिकारियों को समय से व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश दिए। इस मौके पर लोनिवि के अधीक्षण अभियंता राजेश चंद्रा, अवर अभियंता सुरेंद्र रावत, सहायक अभियंता अमित चौहान आदि मौजूद रहे। इसके बाद जिलाधिकारी ने ब्लॉक में चल रही जनगणना प्रशिक्षण में भाग लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया।

जेसीबी ने तोड़ी पेयजल लाइन, 2000 की आबादी प्यासी, टैंकर भी नाकाफी

चमोली। पोखरी पुल के पास निर्माण कार्य के कारण पेयजल लाइन टूट गई है। इससे नगर से लगे तहसील जिलासू के देवतोली और सेमी ग्वाड़ में दो दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है जिससे दोनों गांवों की दो हजार से अधिक की आबादी परेशानी झेल रही है। हालांकि जल संस्थान की ओर से टैंकर से पेयजल आपूर्ति कराई जा रही है मगर इससे जरूरत पूरी नहीं हो रही है। कर्णप्रयाग-पोखरी मार्ग पर सुरंग के समीप निर्माण कार्य के कारण जेसीबी ने देवतोली और सेमी ग्वाड़ को जाने वाली पेयजल लाइन को तोड़ दिया जिससे दोनों गांवों में शुक्रवार से पानी की आपूर्ति ठप हो गई। मातवर सिंह तोपाल, अनूप कुमार, ग्राम प्रधान काजल ने कहा कि पानी की आपूर्ति होने से दिक्कत हो गई है। खासकर पशुओं को पिलाने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। पीने के लिए जल स्त्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग से जल्द पेयजल लाइन जोड़कर पानी की आपूर्ति कराने की मांग की। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित ने बताया कि पेयजल लाइन को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल टैंकरों की मदद से लोगों को पानी आपूर्ति की जा रही है।

अगस्त्यमुनिः वार्ड 5 व 6 में 15 दिनों से नहीं आया पानी

अगस्त्यमुनि। नगर पंचायत के वार्ड संख्या पांच व छह में बीते 15 दिनों से पानी नहीं आया है। ऐसे में पंचायत क्षेत्र के करीब 35 परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि विभाग को जानकारी देने के बाद भी पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

डीएम, एसपी ने किए गाडू घड़ा तेल कलश के दर्शन

चमोली। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक चमोली ने विकासखंड के डिम्मर गांव में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में गाडू घड़ा तेल कलश के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इस दौरान अधिकारियों ने चारधाम यात्रा के लिए डिमरी पुजारियों से संवाद किया। शनिवार को डिम्मर गांव पहुंचे डीएम चमोली गौरव कुमार ने तेल कलश गाडूघड़ा के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में आने का सौभाग्य मिला। पुलिस अधीक्षक सुरजीत पंवार ने कहा कि आगामी यात्रा काल की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद किया जा रहा है। इस मौके पर एसडीएम सोहन सिंह रागड़, थाना निरीक्षक विनोद थपलियाल, डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सचिव भगवती प्रसाद डिमरी, सदस्य जीपी डिमरी आदि मौजूद थे।

प्रधान संगठन की प्रदेश अध्यक्ष योगिता का स्वागत

चमोली। ग्राम प्रधान संगठन की प्रदेश अध्यक्ष योगिता रावत के शनिवार को अपने गृह क्षेत्र पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। देवप्रयाग, श्रीनगर गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, गौचर, कर्णप्रयाग, लंगासू, नंदप्रयाग और चमोली बाजार सहित फरस्वाणफाट के गांवों में भी उनका लोगों ने स्वागत किया। ग्राम पंचायत खैनुरी में आयोजित जनसभा में योगिता रावत ने कहा कि गांवों का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, रोजगार के अवसर बढ़ाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर प्रधान संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष सुभागा देवी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नयन सिंह कुंवर आदि मौजूद रहे।

बदरीनाथ मंदिर में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध, काउंटर पर होगा जमा

चमोली। बदरीनाथ मंदिर के कपाट 23 अप्रैल को खोल दिए जाएंगे। जिला प्रशासन के साथ ही बीकेटीसी की ओर से भी यात्रा तैयारियां की जा रही हैं। शनिवार को बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने अधिकारियों के साथ धाम में यात्रा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बदरीनाथ के दर्शनों के लिए आने वाले हर श्रद्धालु को उचित सुविधाएं दी जाएंगी। बदरीनाथ की धार्मिक गरिमा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस बार मंदिर में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं को फोन निर्धारित काउंटर पर जमा करने होंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। बदरीनाथ मंदिर के साथ ही समिति के विश्राम गृहों के रंग-रोगन का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने बदरीनाथ मंदिर परिसर, तप्तकुंड, मंदिर आने व जाने का रास्ता, काउंटर आदि का निरीक्षण किया। बीकेटीसी उपाध्यक्ष ने बताया कि धाम में पहली बार तीर्थयात्रियों के लिए मंदिर परिसर के बाहर शूज काउंटर और क्लॉक रूम (सामान रखने की जगह) की व्यवस्था की गई है।

मास्टर प्लान के कार्यों पर असंतोष जताया, फटकार लगाईः बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने निरीक्षण के दौरान मास्टर प्लान के कार्यों में जुटी पीआईयू व निर्माणदायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया। उन्होंने पीआईयू के अधिकारियों को फटकार भी लगाई। उपाध्यक्ष ने ब्रह्मकपाल से तप्त कुंड तक अलकनंदा किनारे जमा किए गए मलबे व पत्थरों को अन्यत्र रखने के लिए कहा। कहा कि यदि समय रहते इसे हटाया नहीं गया तो नदी का जलस्तर बढ़ने पर यह तप्तकुंड और ब्रह्मकपाल तीर्थ को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने डीएम से भी फोन पर बात की और समस्याओं से अवगत कराया। यात्रियों की सीमित संख्या खत्म करने का स्वागतः ज्योतिर्मठ। चारधाम यात्रा में तीर्थ यात्रियों की संख्या सीमित करने को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अब मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कह दिया है कि धामों में यात्रियों की संख्या सीमित नहीं रखी गई है। चारधाम होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित के साथ ही रोजगार व आर्थिकी को देखते हुए यह सराहनीय पहल है।

व्यापारियों ने एडीबी प्रोजेक्ट आफिस पर तालाबंदी कर प्रदर्शन किया

नई टिहरी। एडीबी परियोजना के तहत बौराड़ी फर्नीचर बाजार रह रहे निर्माण कार्यों में लेटलतीफी पर व्यापारियों ने कड़ा आक्रोश जताया। उद्योग व्यापार मंडल बौराड़ी के पदाधिकारियों ने एडीबी प्रोजेक्ट आफिस पर तालाबंदी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने एडीबी में कार्यरत तीन इंजीनियरों को उनके आफिस के कमरों में बंद कर दिया। व्यापारियों ने इंजीनियरों पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। बौराड़ी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का कहना है कि जब बाजार में निर्माण कार्य शुरू हो रहा था तब एडीबी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि निर्माण कार्य 60 से 65 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन दो हजार का मुआवजा भी दिया गया है लेकिन 60 दिनों की यह समय अवधि भी पूरी हो चुकी है और निर्माण कार्य अब तक अधूरे पड़े हैं जिससे उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है। अधिकारी अब उन्हें आगे के दिनों का मुआवजा देने से इन्कार कर रहे हैं। आक्रोशित व्यापारी शनिवार को सुबह करीब 11 बजे बौराड़ी में एडीबी के कार्यालय पहुंचे और वहां उन्होंने कार्यालय के मुख्य चैनल गेट पर ताला जड़ दिया। उन्होंने कमरे के अंदर ही सिविल इंजीनियर कपिल कुमार, सहायक अभियंता अमित रूशिया, जेई रमन कुमार को बंद किया। इस दौरान व्यापारियों ने कार्यालय में जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। बाद में एसडीएम सदर कमलेश मेहता मौके पर पहुंचे और व्यापारियों को 13 अप्रैल को डीएम की मध्यस्थता में वार्ता कराने का आश्वासन दिया। तब जाकर काफी देर बाद व्यापारी माने और दोपहर 12.30 बजे उन्होंने कार्यालय गेट का ताला खोला।

स्कूलों की नई समय सारणी का विरोध

चमोली। बीते छह अप्रैल से स्कूलों के लिए शुरू हुई नई समय सारणी के विरोध में प्राथमिक शिक्षक भी आ गए हैं। उत्तराखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन चमोली इकाई ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक को ज्ञापन भेजकर पुरानी समय सारणी के अनुरूप ही स्कूलों के संचालन की मांग की। नई समय सारणी के अनुसार ग्रीष्मकाल में पौने आठ बजे से स्कूल शुरू होगा और दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर छुट्टी होगी जबकि शीतकाल में समय सुबह 8 बजकर 50 मिनट पर शुरू होगा और तीन बजकर 10 मिनट पर बंद होगा। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष दिगंबर नेगी, जिलामंत्री मुकेश नेगी, कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह आदि का कहना है कि पहाड़ में बच्चे दूरस्थ गांवों से स्कूल पहुंचते हैं। शीतकाल में सुबह आठ बजे स्कूल पहुंचना बच्चों के लिए संभव नहीं है। वह भी तब जब गांवों के पास जंगली जानवरों का भय रहता है जबकि ग्रीष्मकाल में स्कूल बंद होने के वक्त तेज गरमी रहती है। ऐसे में नई समय सारणी बच्चों के स्वास्थ्य के साथ ही सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ है। उन्होंने पुरानी व्यवस्था पर ही स्कूलों के संचालन की मांग की। ज्ञापन देने वालों में मोहन रावत, महिपाल चौहान, यदुबीर बिष्ट, जगदीप रावत, रणबीर नेगी, प्रेम नौटियाल, सुशील राज, फ़ियाज अहमद, श्वेता रावत, पानू चौहान, विजय सिमल्टी, बलबीर बधानी, विजय निराला आदि शामिल हैं।

महिला मंगल दल ने नागणी बाजार में पकड़ी अवैध शराब

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के जड़धार गांव में महिला मंगल दल ने नागणी क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान वहां एक दुकान से शराब की कुछ बोतलें बरामद कर आग के हवाले कर दिया। महिलाओं ने कहा कि जो भी अपने होटल और दुकान में शराब की अवैध बिक्री कर रहा है वह इस गलत कृत्य को छोड़ दे। अन्यथा उसके खिलाफ पुलिस कार्यवाही की मांग की जाएगी। महिला मंगल दल ने नागणी बाजार में स्थित कई दुकान और होटल में छापा मारा। इस दौरान एक दुकान में शराब की बोतलें मिलने पर महिलाओं ने वह बोतलें अपने कब्जे में लेकर आग के हवाले कर दिया। महिलाओं ने कहा कि जो लोग शराब की अवैध बिक्री करके सामाजिक माहौल को बिगाड़ने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ समय-समय पर छापामार अभियान चलाया जाएगा। बावजूद वह अवैध शराब की बिक्री बंद नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई जाएगी। नागणी क्षेत्र में लंबे समय से शराब तस्करी का शिकायत मिलने पर महिला मंगल दल की महिलाएं शराबबंदी को लेकर सक्रिय हैं। वह गांव के प्रत्येक घर में जाकर लोगों को शराबबंदी के लिए जागरुक कर रही हैं। महिलाओं की एकजुटता से जड़धार गांव में सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

शराब बंदी के लिए रामपुर में महिलाओं ने निकाली रैली

रुद्रप्रयाग। अवैध शराब की बिक्री को लेकर केदारघाटी के रामपुर में शनिवार को महिलाओं ने रैली निकालकर आक्रोश जताया। महिलाओं ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री बंद नहीं हो रही है। गांवों तक शराब पहुंच रही है जिससे घरों में महिलाएं परेशान हैं। महिलाओं ने न्यालसू व सीतापुर के मुख्य बाजार रामपुर में जागरूकता रैली निकाली। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए कोतवाली सोनप्रयाग में पत्र दे चुके हैं। ग्राम प्रधान न्यालसू बबीता देवी ने कहा कि गांव में पूर्व में बैठक कर शादी व अन्य आयोजनों में पूर्ण शराबबंदी की जा चुकी है। अब महिलाओं ने नशामुक्त गांव बनाने के लिए रैली निकाली है।

बर्फबारी से हाईवे का काम प्रभावित, गोपेश्वर में ओलावृष्टि

चमोली। दो दिन आसमान साफ रहने के बाद शनिवार को फिर से मौसम ने करवट ली और दोपहर बाद बदरीनाथ धाम सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जमकर बर्फबारी हुई। वहीं गोपेश्वर में तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। बारिश से हाईवे सुधारीकरण कार्य फिर से प्रभावित हो गया है। पिछले दिनों लगातार बारिश और बर्फबारी के बाद दो दिन मौसम साफ रहा। हालांकि हल्के बादल छाए रहे लेकिन बारिश और बर्फबारी नहीं हुई। वहीं शनिवार को दोपहर बाद अचानक बादल छा गए। बदरीनाथ धाम में जमकर बर्फबारी हुई। वहीं गोपेश्वर और आस-पास के क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि हुई। तेज हवा चलने से पंजाब नेशनल बैंक के सामने एक पेड़ सड़क पर गिर गया। जिस जगह पर पेड़ गिरा वहीं पर दुकानों के खोखे भी हैं। यदि पेड़ थोड़ा दायीं तरफ गिरता तो भारी नुकसान हो सकता था। हालांकि पेड़ गिरने से मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। करीब दो घंटे बाद पुलिस प्रशासन की ओर से पेड़ को हटाया गया और यातायात सुचारु हो पाया। वहीं लगातार बारिश और बर्फबारी से बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के साथ ही यात्रा तैयारियों के कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। बारिश से हाईवे सुधारीकरण का कार्य भी प्रभवित हो रहा है।

दो गोशाला की छत उड़ीः नंदानगर। शनिवार को दोपहर बाद तेज हवा चली और बारिश हुई। तेज हवा चलने से नंदानगर के राजबगठी गांव में दो गोशाला की छत उड़ गई। इसके अलावा कई जगह पर पेड़ टूट गए हैं। इससे लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। ग्रामीणों ने बताया कि तेज हवा से महेंद्र सिंह और जितेंद्र रावत की गोशाला के छत की टिन हवा में उड़ गई। बारिश से गेहूं की फसल पर संकटः आदिबदरी। क्षेत्र के ऊंचाई वाले गांवों में किसान गेहूं की फसल को लेकर चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि यदि लगातार मौसम खराब रहा तो गेहूं की फसल के खराब होने के आसार हैं।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा।

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुक़ाबलों में RCB की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल

ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MIके निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MIके ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है। साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया। उसके फ्लिक शॉट्स कमाल के रहे। प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है। डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, ओर पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर । बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।